UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-300 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 12 अक्टूबर 2026 youngbharatepaper.com

खुशखबरी का ऐलान! यूपी में 10वीं-12वीं पास के लिए बंपर भर्ती, करें आवेदन

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रोजगार पाने का अच्छा अवसर सामने आया है। कानपुर में 13 अक्टूबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जहां अलग-अलग कंपनियों में कुल 1,628 पदों पर भर्ती की जाएगी।

इस मेले में फ्रेशर्स के साथ ऐसे उम्मीदवार भी हिस्सा ले सकते हैं, जिन्हें पांच साल तक का कार्य अनुभव है।

यह रोजगार मेला उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत विकासनगर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में लगेगा। कंपनियों के स्टॉल सुबह 10 बजे से शुरू होंगे। उम्मीदवारों को सलाह है कि मेले में जाने से पहले रजिस्ट्रेशन और जरूरी दस्तावेजों की तैयारी कर लें।

किन पदों पर मिलेगी नौकरी ?

रोजगार मेले में फैक्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग, सिक्योरिटी, सेल्स और फाइनेंस सहित कई क्षेत्रों में अवसर दिए जाएंगे। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, प्रमुख पदों में हेल्पर, वेलनेस एडवाइजर, लोन एडवाइजर, टेली कॉलिंग, फील्ड ऑफिसर, मशीन ऑपरेटर और अप्रेंटिस ट्रेनी शामिल हैं। इसके अलावा सिक्योरिटी गार्ड, एयरटेल फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव, एटीएम ऑफिसर, सेल्स एंड मार्केटिंग प्रतिनिधि, असेंबली ऑपरेटर और कंस्ट्रक्शन अप्रेंटिस के पदों पर भी भर्ती की जाएगी। अलग-अलग कंपनियों में पदों की संख्या और चयन की शर्तें अलग हो सकती हैं। उम्मीदवारों की योग्यता-इस रोजगार मेले में कम पढ़ाई के बाद नौकरी तलाश रहे युवाओं के लिए भी अवसर हो सकते हैं। हालांकि, हर पद के लिए शैक्षणिक योग्यता समान नहीं होगी। आवेदन करने से पहले संबंधित कंपनी की योग्यता और अन्य शर्तों की जानकारी जरूर जांच लें। उम्मीदवारों की सामान्य आयु सीमा 18 से 40 वर्ष बताई गई है। कितनी मिलेगी सैलरी ?-उपलब्ध विवरण के अनुसार, चयनित उम्मीदवारों को पद और योग्यता के आधार पर 12,500 रुपये से 24,000 रुपये प्रति माह तक वेतन मिल सकता है। वास्तविक वेतन कंपनी, काम की प्रकृति और चयनित पद पर निर्भर करेगा। नौकरी स्वीकार करने से पहले वेतन, कार्यस्थल और अन्य शर्तों की जानकारी अवश्य लें।

करें रजिस्ट्रेशन-रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश के रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट rojgaarsangam.up.gov.in पर जाकर उपलब्ध निर्देशों के अनुसार प्रक्रिया पूरी करें। रजिस्ट्रेशन के बाद प्राप्त पुष्टि संदेश या उसका प्रिंटआउट अपने साथ रखना उपयोगी रहेगा।

लखनऊ: कांग्रेस दफ्तर में चले जूते-थप्पड़, नाराज होकर निकले अजय राय

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में रविवार को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के पदग्रहण समारोह में हंगामा हो गया. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की महिला पार्षद ममता चौधरी के बीच नोकझोंक हो गई. बाद मे विवाद इतना बढ़ गया कि एक दूसरे के समर्थक थप्पड़ मारने लगे.

विवाद के बाद अजय राय नाराज होकर पार्टी कार्यालय से बाहर निकल गए. हालांकि इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी उन्हें छोड़ने बाहर तक आए. इस मौके पर उनके साथ इमरान मसूद भी मौजूद रहे.कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना रविवार को अपना पद ग्रहण करने वाली थी. इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पदभार सौंपने आए थे. उनके साथ उनके समर्थक भी मौजूद थे. इस दौरान पार्टी कार्यालय में लखनऊ नगर निगम में कांग्रेस पार्षद दल की नेता ममता चौधरी से उनके समर्थकों की किसी बात को लेकर बहस हो गई. देखते ही देखते कहांसुनी और तेज हो गई. इस दौरान अजय राय के समर्थकों से हाथापाई भी हो गई. जूते भी निकल आए. इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है.पूरी घटना के बाद अजय राय नाराज होकर बाहर निकल गए. इस दौरान उन्हें कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद, नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी उन्हें मनाने में जुट गए. वरिष्ठ नेताओं ने उनसे बातचीत कर विवाद को शांत कराने की कोशिश की.अजय राय ने कहा कि संबंधित महिला के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. उनकी नाराजगी की वजह महिला पार्षद ममता चौधरी के साथ हुई नोकझोंक बताई जा रही है. विवाद के बीच राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अजय राय को आश्वासन दिया. इसके बाद अजय राय दोबारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे.

फॉर्म 7 भरवाकर सपा समर्थकों के वोट कटवा रही बीजेपी', दिल्ली में प्रोटेस्ट के बीच अखिलेश यादव का बड़ा हमला

(यंग भारत न्यूज)

इटावा: समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव होने वाला है। यह सबसे बड़ी परीक्षा है। उत्तर प्रदेश के लोग की संविधान और लोकतंत्र को बचाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि बीजेपी सत्ता में आएगी तो आगे चुनाव होंगे ही नहीं। अखिलेश यादव ने यह बात इटावा जिले के सैफई में सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग विश्वसनीय संस्था नहीं रह गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि, 'राष्ट्रपति जी से सभी दलों के नेताओं की मुलाकात हुई है। जहां पर अगर किसी पॉलिटिकल पार्टी को लगता है कि उनके साथ इलेक्शन कमीशन ने न्याय नहीं किया है, उन्होंने इसके प्रमाण मांगे हैं। मैं आपको कई मौकों की जानकारी देना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश में जितने भी बाई इलेक्शन हुए हैं, बीजेपी ने इलेक्शन कमिश्नर से मिलकर, प्रशासन की ताकत से चुनावों के परिणामों को बदलने की कोशिश की है। कई जगह पर उन्होंने पुलिस को प्राइवेट ड्रेस में वोट डालने का मौका दिया।'उन्होंने कहा कि, 'जितने भी बाई इलेक्शन थे, उनमें बड़े पैमाने पर अन्याय हुआ है। वोट के अधिकार को छीना गया है। और यही नहीं एसआईआर के समय पर समाजवादी पार्टी के पीडीए प्रहरियों ने तमाम उन लोगों को पकड़ा जिन लोगों का डायरेक्ट फॉर्म 7 फर्जी भरा जा रहा था। बीजेपी अपने किसी आफिस के माध्यम से फॉर्म 7 भरवाकर समाजवादी पार्टी के वोट कटवा रही थी।'अखिलेश ने कहा कि, 'मैं उदाहरण देना चाहता हूं सुल्तानपुर का, जहां नंदलाल निषाद के फर्जी दस्तखत कर दिए। समाजवादी पार्टी के कई वोटों को काटा गया था। जब नंदलाल निषाद को हम लोगों ने सामने खड़ा किया, उनसे पूछा कि आपने ये दस्तखत करके फॉर्म 7 क्यों भरा है? निषाद ने कहा कि मैं दस्तखत करना ही नहीं जानता हूं। आप कल्पना कर सकते हैं कि जो आदमी दस्तखत करना नहीं जानता, अंगूठा मारता है, उसके दस्तखत करके वोट कटवा रहे थे।'सपा अध्यक्ष ने कहा कि, 'लखनऊ में स्वर्णनगर विधानसभा क्षेत्र में दशरथ नाम से सौ से ज्यादा फॉर्म 7 भरवाए गए। समाजवादी पार्टी ने पकड़ा उन्हें, जांच हुई। नियम यह कहता है कि कोई भी पांच से अधिक फॉर्म 7 नहीं भर सकता है। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र बिधूना में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष के फर्जी साइन करके समाजवादी पार्टी के वोट कटवा दिए। इलेक्शन कमीशन को इसकी जानकारी दी, लेकिन उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। मीरापुर में एक पुलिस अधिकारी ने रिवॉल्वर तानकर वोटिंग रोकने का काम किया था।'अखिलेश यादव ने कहा कि, 'आज टेक्नोलॉजी के जमाने में एक जगह से तय किया जा रहा है कि वोटर लिस्ट में किसका नाम होगा। यदि आप बीजेपी के सदस्य हैं तो आपका वोट बनेगा, नहीं तो आप भारत के नागरिक ही नहीं हैं।' उन्होंने बंगाल के विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा, 'दीदी (ममता बनर्जी) हारी नहीं थीं, उन्हें हराया गया था। तीन लाख से ज्यादा फोर्स लगाकर चुनाव लूट लिया गया था।'बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विपक्ष के इंडिया गठबंधन को अराजक बताने पर अखिलेश यादव ने कहा कि, 'सवाल चुनाव आयोग से है तो बीजेपी क्यों बचाव करती है? चोर की दाढ़ी में तिनका है। इलेक्शन कमीशन कॉन्स्टिट्यूशनल बॉडी है, उसको क्रेडिबिलिटी साबित करनी है, वह क्रेडिबल इंस्टीट्यूशन नहीं बचा है। समाज के हर हिस्से से आवाज आ रही है कि इलेक्शन कमीशन में बैठे लोग बेईमानी कर रहे हैं। एक जगह से तय कर रहे हैं कि किसका वोट होगा।'अखिलेश यादव ने यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि, 'सबसे बड़ी परीक्षा यूपी में होने जा रही है। लगभग 50 दिन बाद चुनाव की तारीख आ जाएगी। अगर यूपी में बीजेपी जीत गई तो भविष्य में वोट डालने का अधिकार भी छिन जाएगा, चुनाव ही नहीं होंगे। इसलिए उत्तर प्रदेश का किसान, नौजवान, व्यापारी और पीडीए समाज ही संविधान बचाएगा। बीजेपी सत्ता में रहेगी तो लोकतंत्र खत्म कर देगी।'

भृष्टाचार के लिए बदनाम विद्युत विभाग में बड़ी राजस्व चोरी का कोर्ट में फूटा भांडा

तीन साल के बिजली चोरी रिकॉर्ड की खुली फाइल, फर्जी रसीदों की जांच शुरू

- विद्युत विभाग के बिल संबंधी व्यापक भृष्टाचार से अभियंताओ के तो हो रहे वारे न्यारे, लाइन मेन भी हो गए हैं मालामाल
- आये दिन बिल को लेकर कनेक्शन धारी होते है परेशान
- 39 हजार रुपये जमा करने के दावे पर बिजली चोरी का मुकदमा निपटाने की हुई थी संस्तुति

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। बिजली चोरी के मामले में कथित फर्जी रसीदों के सहारे मुकदमा निस्तारित कराने का मामला सामने आने के बाद बिजली निगम में हड़कंप मचा हुआ है। अब विभाग ने करीब तीन साल पुराने बिजली चोरी के मामलों की फाइलें खंगालनी शुरू कर दी हैं। वर्ष 2023 और वर्ष 2024 के शुरुआती महीनों में बिजली चोरी के मामलों में जमा कराई गई धनराशि, रसीद संख्या और उपभोक्ता के विवरण का विभागीय सॉफ्टवेयर में दर्ज रिकॉर्ड से मिलान कराया जा रहा है। विभागीय जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि फर्जी रसीद का मामला केवल एक प्रकरण तक सीमित है या पुराने मामलों में भी इस तरह की गड़बड़ी की गई है।

मामला उस समय सामने आया, जब करीब 39 हजार रुपये जमा किए जाने के दावे के आधार पर बिजली चोरी के मुकदमे के निस्तारण की संस्तुति की गई थी। बिजली थाने से भी मामले में एफआर लगा दी गई थी। मामला न्यायालय पहुंचने के बाद जब भुगतान से संबंधित रसीदों की जांच की गई तो कथित फर्जीवाड़ा सामने आया। इसके बाद ईसी एक्ट कोर्ट ने एफआर खारिज करते हुए मुकदमा चलाने के आदेश दिए। न्यायालय के आदेश के बाद बिजली निगम के अधिकारियों ने अब पुराने मामलों के रिकॉर्ड की पड़ताल शुरू कर दी है।

22 संविदा कर्मचारियों में अब छह ही बचे

जिस अवधि से यह मामला जुड़ा है, उस दौरान उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से बिजली विभाग में 22 संविदा कर्मचारियों को लगाया गया था। वर्तमान में इनमें से केवल छह कर्मचारी ही विभाग में कार्यरत हैं। बाकी कर्मचारी अलग-अलग कारणों से विभाग से हट चुके हैं। ऐसे में पुराने मामलों में किस कर्मचारी ने किस स्तर पर क्या कार्रवाई की, इसकी जानकारी जुटाना विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है। विभाग अब उस दौरान संविदा कर्मचारियों के खिलाफ मिली शिकायतों का रिकॉर्ड भी खंगाल रहा है। अधिकारियों की कोशिश है कि शिकायतों में सामने आए कर्मचारियों के नाम और उन पर हुई कार्रवाई का पुराने बिजली चोरी के मामलों से मिलान किया जा सके। आरोप लगते रहे हैं कि कुछ कर्मचारियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें सामने आने के बावजूद उन्हें क्लीन चिट मिलती रही।

सॉफ्टवेयर से होगी हर रसीद की पड़ताल

जांच के दौरान बिजली चोरी के मामलों में जमा धनराशि, रसीद संख्या, उपभोक्ता का विवरण और मुकदमे के निस्तारण से संबंधित रिकॉर्ड को विभागीय सॉफ्टवेयर से मिलाया जा रहा है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि जिन रसीदों के आधार पर भुगतान किए जाने का दावा किया गया, वे वास्तव में विभागीय सिस्टम में दर्ज हैं या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक रिकॉर्ड के मिलान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कथित फर्जी रसीद का मामला एक प्रकरण तक सीमित है या पुराने मामलों में भी ऐसी अनियमितता हुई है। इस जांच में पुराने दस्तावेजों, पत्रावलियों और विभागीय रिकॉर्ड को भी देखा जा रहा है।

तत्कालीन एक्सईएन के हस्ताक्षर पर भी सवाल

जांच में तत्कालीन अधिशासी अभियंता के नाम से जारी एक पत्र पर मौजूद हस्ताक्षर भी संदेह के घेरे में हैं। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार पत्र पर किए गए हस्ताक्षर तत्कालीन अधिकारी के वास्तविक हस्ताक्षर से मेल नहीं खाते। हालांकि दस्तावेज पर विभागीय कार्यालय की मुहर का इस्तेमाल किया गया है। ऐसे में अब यह भी सवाल उठ रहा है कि कार्यालय की मुहर किसके पास थी और उसका इस्तेमाल किसने किया। खास बात यह है कि जिस अवधि के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं, उस समय तैनात अधीक्षण अभियंता से लेकर उपखंड अधिकारी स्तर तक के अधिकारी वर्तमान में जिले में तैनात नहीं हैं। इससे तत्कालीन कार्यप्रणाली और निर्णय प्रक्रिया की जानकारी जुटाना भी विभाग के लिए मुश्किल हो रहा है। अब जांच का बड़ा आधार पुराने दस्तावेज और विभागीय सॉफ्टवेयर रिकॉर्ड ही बने हैं। अधीक्षण अभियंता योगेंद्र सिंह ने कहा कि मामला पुराना है। शिकायत मिलने पर जांच कराई जाएगी। जिन लोगों के पास इस संबंध में प्रमाण हैं, वे शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यदि आपके साथ भी बिजली चोरी के मामले में रसीद या मुकदमे के निस्तारण के नाम पर धोखाधड़ी हुई है तो इसकी जानकारी मोबाइल नंबर 9548521724 पर दी जा सकती है।

- न्यायालय में रसीदों की जांच के दौरान सामने आया फर्जीवाड़ा, एफआर खारिज
- 2023 से 2024 के शुरुआती महीनों तक के मामलों का सॉफ्टवेयर रिकॉर्ड से होगा मिलान
- तत्कालीन एक्सईएन के नाम से जारी पत्र पर हस्ताक्षर और कार्यालय की मुहर भी जांच के घेरे में

जिस ऊंट की सालों तक देखभाल की, उसी ऊंट ने मालिक का सिर जबड़े में फंसा कर तरबूज की तरह तोड़ दिया 10 सेकंड में ही मौत. खौफनाक था मंजर

(यंग भारत न्यूज)

राजस्थान के चुरू जिले से बड़ी खबर है। एक किसान ने अपने परिवार का लालन पालन करने के लिए कुछ लोगों से रुपए उधार लेकर ऊंट खरीदा , लेकिन उसी ऊंट ने मालिक को इतनी बुरी मौत दी की लाश की हालत देखकर परिवार सदमे में है। ऊंट ने अपने मालिक का सिर अपने जबड़े में दबा लिया और तरबूज की तरह उसे तोड़ दिया । कई बार हवा में उछाला और फिर जमीन पर फेंक दिया । मौके पर ही किसान की मौत हो गई । फिलहाल ऊंट को एक पेड़ से बांध दिया गया है। परिवार के लोग अब उसकी जान लेने की तैयारी कर रहे हैं । इसी तरह का एक मामला 5 महीने पहले बीकानेर में भी आ चुका है।

चुरू जिले की सरदार शहर थाना पुलिस ने बताया कि सरदारशहर तहसील के अजीतसर गांव में रहने वाले रामलाल ने करीब 1 महीना पहले चूरू जिले के ही एक व्यक्ति से यह ऊंट खरीदा था । ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। उसे कुछ दिन तक घर के नजदीक खेत में बांधे रखा और कुछ दिन से ऊंट से काम लिया जा रहा था । ऊंट गाड़ी की मदद से रामलाल मजदूरी करता था और परिवार का पेट पालता था । उसके परिवार में 3 बच्चे हैं। शनिवार को रामलाल खेत में बंधे हुए ऊंट को ऊंट गाड़ी से बांधने की तैयारी कर रहा था कि इसी दौरान ऊंट को गुस्सा आ गया।। उसने रामलाल को धक्का देकर गिरा दिया और उसके बाद जब रामलाल उठा तो रामलाल का सिर पकड़ लिया। जबड़े में फंसा हुआ रामलाल चीखता रहा लेकिन कुछ ही सेकंड में उसकी मौत हो गई । उट ने रामलाल की खोपड़ी चटका दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने बाद में ऊंट को काबू करने की कोशिश की लेकिन वह काफी देर तक रामलाल की लाश के पास ही बैठा रहा । उसके बाद परिवार के लोगों ने उसे खेजड़ी के एक पेड़ से बांध दिया । लेकिन तब उसने किसी पर भी हमला नहीं किया। फिलहाल उसे खेजड़ी के पेड़ से बांधा हुआ है और अब परिवार के लोगों ने उसे अपनाने से इंकार कर दिया है । उसको मारने की तैयारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इसी तरह का एक मामला 5 महीने पहले बीकानेर जिले से भी सामने आया था। 4 बच्चों के पिता ने कुछ दिन पहले ऊंट खरीदा था । उसीने अपने मालिक को गर्दन जकड़ कर मार दिया । मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी।। इस घटना से गुस्साए परिवार के लोगों ने उनको पेड़ से बांधकर उसके सिर में तब तक डंडे मारे थे जब तक ऊंट की मौत नहीं हो गई थी। पशु मालिकों का कहना है कि सबसे संवेदनशील पशु ऊंट होता है अगर वह जरा सा भी गुस्से में आ जाए तो उसे काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। ऊंट के हमला करने और काटने से कई लोगों की मौत हो चुकी है।

होने ही वाला था अंतिम संस्कार, तभी एक महिला ने किया चिता पर रखी लाश की नब्ज चलने का दावा. फिर जो हुआ

(यंग भारत न्यूज)

तेलंगाना में करीमनगर जिले के हुजूरबाद से एक बेहद भावुक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एकलव्य कॉलोनी की रहने वाली सरिता नाम की महिला को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन उनके अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे थे.शव को जब चिता पर रखा जा रहा था, तभी एक रिश्तेदार ने महिला की नब्ज धड़कने का दावा किया. इस चमत्कार की उम्मीद में रोते-बिलखते परिजन तुरंत महिला को एम्बुलेंस से अस्पताल लेकर भागे. हालांकि, डॉक्टरों की दोबारा जांच के बाद दुखद अंत ही सामने आया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हुजूरबाद की एकलव्य कॉलोनी निवासी सरिता काफी समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं. परिवार वालों के मुताबिक, उनका स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद निधन हो गया था. सरिता के अचानक दुनिया से चले जाने से पूरा परिवार गहरे सदमे और शोक में डूबा हुआ था. परिजन और रिश्तेदार पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार उनके अंतिम संस्कार की तैयारियों में लगे हुए थे.घटना उस समय हुई जब शव को श्मशान घाट में अंतिम विदाई देने के लिए चिता पर रखा जा रहा था. चिता पर रखे जाने के दौरान वहां मौजूद एक रिश्तेदार की नजर महिला के शरीर और नब्ज पर पड़ी. रिश्तेदार ने दावा किया कि महिला की नब्ज़ अभी भी चल रही है और शरीर में हरकत महसूस हो रही है. शोक में डूबे परिवार को अचानक एक बड़ी आस दिखाई दी. बिना एक पल की देरी किए, परिजनों ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और सरिता को लेकर नजदीकी अस्पताल पहुंचे.अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई. हर कोई किसी चमत्कार की प्रार्थना कर रहा था. अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने तुरंत महिला का विस्तृत परीक्षण (श्वष्टत्र और अन्य जांच) किया. जांच के बाद डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि महिला की मृत्यु पहले ही हो चुकी है और नब्ज चलने की बात केवल एक भ्रम या गलतफहमी थी. डॉक्टरों के अंतिम बयान के बाद परिजनों का बचा-कुचा ढांढस भी टूट गया और वे चीख-पुकार करने लगे. इस दर्दनाक घटना ने पूरे हुजूरबाद इलाके को गहरे शोक में डुबो दिया है.

पिता ने सगी बेटी से कई सालों तक किया दुष्कर्म, 15 साल की नाबालिग ने बच्ची को दिया जन्म; बठिंडा में रिश्ते तार-तार

(यंग भारत न्यूज)

बठिंडा। पिता को अक्सर परिवार की सुरक्षा और बेटियों के सबसे बड़े सहारे के रूप में देखा जाता है। लेकिन पंजाब के बठिंडा से सामने आया एक मामला इस भरोसे को झकझोर देने वाला है। यहां एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की ने सरकारी अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया है।

आरोप है कि नाबालिग के साथ उसके पिता ने ही यौन शोषण किया। मामले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।अदालत में पेश किए जाने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि नाबालिग की मां का करीब तीन साल पहले निधन हो चुका था। इसके बाद घर में दो बेटियों की जिम्मेदारी उनके पिता पर थी। आरोप है कि जिस व्यक्ति से दोनों बहनों को सुरक्षा और सहारे की उम्मीद थी, उसी के खिलाफ नाबालिग ने गंभीर आरोप लगाए हैं।मामला सामने आने के बाद पुलिस और बाल संरक्षण से जुड़े अधिकारियों ने दोनों बहनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। नाबालिग को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया।बताया जा रहा है कि यह मामला अचानक सामने आया। नाबालिग और उसकी 20 वर्षीय नेत्रहीन बड़ी बहन अपने पिता के साथ रहती थीं। आरोप है कि पिता दोनों बेटियों को घर में बंद करके बाहर से ताला लगाकर चला जाता था। इस वजह से उनका आसपास के लोगों से संपर्क भी बेहद सीमित था।करीब 10 से 12 दिन पहले नाबालिग किसी सामान के लिए घर के पास स्थित एक दुकान पर गई थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली एक महिला की नजर उसके शरीर में आए बदलाव पर पड़ी। महिला को कुछ असामान्य लगा तो उसने बच्ची से बातचीत करने की कोशिश की।बताया गया है कि बातचीत के दौरान नाबालिग भावुक हो गई और रोने लगी। इसके बाद उसने महिला को अपने साथ कथित तौर पर हुई घटना के बारे में बताया। महिला ने मामले को गंभीरता से लिया और इसे दबाने के बजाय संबंधित संस्था तथा प्रशासन तक पहुंचाने का फैसला किया।यही कदम आगे चलकर दोनों बहनों को उस स्थिति से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।पड़ोसन ने मामले की जानकारी जस्टिस फॉर ऑल ऑर्गेनाइजेशन को दी। संस्था के प्रधान हरि ओम ठाकुर और अन्य कार्यकर्ताओं ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस तथा बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया।संस्था और प्रशासन के समन्वय के बाद दोनों बहनों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। नाबालिग को चिकित्सकीय देखभाल के लिए बठिंडा के सरकारी अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड में भर्ती कराया गया।मेडिकल जांच के दौरान पता चला कि लड़की काफी समय से गर्भवती थी। बाद में उसने अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया।मामले में पुलिस ने नाबालिग के बयान के आधार पर कार्रवाई शुरू की। चूंकि पीड़िता नाबालिग है, इसलिए उसके मामले में बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने वाले कानून यानी पॉक्सो एक्ट के प्रावधान लागू किए गए हैं।इस घटना का एक और बेहद संवेदनशील पहलू परिवार की परिस्थितियों से जुड़ा है। नाबालिग की मां की मौत करीब तीन साल पहले हो चुकी थी। मां के निधन के बाद दोनों बहनें अपने पिता के साथ रह रही थीं।बड़ी बहन की उम्र करीब 20 वर्ष बताई गई है और वह नेत्रहीन है। ऐसे में दोनों बहनों की स्थिति पहले से ही बेहद संवेदनशील थी। परिवार में मां की अनुपस्थिति और बड़ी बहन की दृष्टिबाधिता के कारण दोनों की बाहरी दुनिया से संपर्क की स्थिति भी सीमित बताई गई।संस्था के प्रतिनिधियों के अनुसार, नाबालिग के अस्पताल में बच्ची को जन्म देने के बाद परिवार के रिश्तेदारों से संपर्क किया गया। उनसे दोनों बहनों और नवजात बच्ची की देखभाल की जिम्मेदारी लेने के बारे में पूछा गया।हालांकि, बताया गया कि किसी रिश्तेदार ने उनकी जिम्मेदारी लेने के लिए सहमति नहीं दी। इसके बाद प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की मदद से आगे की व्यवस्था की गई।नाबालिग मां और उसकी नवजात बच्ची को नारी निकेतन भेजा गया, जहां उनकी सुरक्षा और देखभाल की व्यवस्था की जा सके। वहीं उसकी 20 वर्षीय नेत्रहीन बहन को सखी सेंटर सुरक्षा गृह में रखा गया है।इस व्यवस्था का उद्देश्य दोनों बहनों को फिलहाल सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और उनकी जरूरतों के अनुसार सहायता सुनिश्चित करना है।थाना कैनाल कॉलोनी के एसएचओ दलजीत सिंह के अनुसार, पुलिस ने नाबालिग के बयान के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।मामले की जांच में पुलिस द्वारा पीड़िता के बयान, मेडिकल जांच और अन्य परिस्थितिजन्य तथ्यों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नाबालिग से जुड़े मामलों में जांच के दौरान उसकी पहचान और निजता की सुरक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण होती है।कानून के अनुसार, नाबालिग के साथ यौन अपराध के मामलों को गंभीर अपराध माना जाता है। पॉक्सो कानून बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और संबंधित अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।इस घटना में केवल नाबालिग की सुरक्षा ही चिंता का विषय नहीं है, बल्कि जन्मी बच्ची की देखभाल भी महत्वपूर्ण है। नवजात बच्ची को ऐसी परिस्थिति में जन्म मिला है, जहां उसकी मां खुद नाबालिग है और परिवार का सामान्य सहारा उपलब्ध नहीं है।ऐसे मामलों में प्रशासन और बाल संरक्षण व्यवस्था की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। नाबालिग मां और नवजात दोनों को सुरक्षित वातावरण, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण, भावनात्मक सहयोग और आगे की कानूनी सहायता की आवश्यकता हो सकती है।इसके साथ ही नाबालिग की बड़ी बहन, जो दृष्टिबाधित है, उसके लिए भी लंबे समय तक देखभाल और पुनर्वास की जरूरत हो सकती है।इस मामले में एक महत्वपूर्ण बात यह भी सामने आती है कि यदि पड़ोस की महिला ने नाबालिग की स्थिति को देखकर उससे बातचीत नहीं की होती और उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया होता, तो मामला शायद और लंबे समय तक सामने नहीं आता।बच्चों में अचानक व्यवहार में बदलाव, किसी व्यक्ति से डरना, घर में बंद रहना, किसी खास व्यक्ति के सामने असहज होना या स्वास्थ्य में गंभीर बदलाव जैसे संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि किसी संकेत के आधार पर खुद निष्कर्ष निकालने के बजाय ऐसी स्थिति में संबंधित बाल संरक्षण या पुलिस अधिकारियों से संपर्क करना जरूरी है।बठिंडा की यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है, लेकिन फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि नाबालिग मां, उसकी नवजात बच्ची और उसकी नेत्रहीन बहन को आगे किस तरह सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिल सकेगा।आरोपित पिता गिरफ्तार हो चुका है और मामला कानूनी प्रक्रिया में है। अदालत और जांच एजेंसियां उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगी।इस बीच पीड़िता की निजता की रक्षा करना समाज की जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं में पीड़ित बच्चे को दोषी ठहराने या उसकी पहचान सार्वजनिक करने के बजाय उसे सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, कानूनी सहयोग और मानसिक-सामाजिक सहारा देना सबसे जरूरी होता है।यह मामला एक बार फिर याद दिलाता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। अगर किसी बच्चे की बात संदिग्ध परिस्थितियों में सामने आती है, तो उसे दबाने या नजरअंदाज करने के बजाय उचित संस्था और कानून-व्यवस्था तक पहुंचाना जरूरी है। बठिंडा के इस मामले में भी एक पड़ोसन की संवेदनशीलता और समय पर उठाया गया कदम दोनों बहनों को सुरक्षित व्यवस्था तक पहुंचाने में अहम साबित हुआ।

बेटे को मां से हुआ प्यार, साथ भागने को तैयार हुई महिला; रात के अंधेरे में रची गई अनोखी कहानी

(यंग भारत न्यूज)

हरियाणा के नूंह से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटे के एक साथ घर से चले जाने का आरोप लगाया है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि महिला युवक की सौतेली मां बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, युवक नाबालिग था और कुछ समय से अपने पिता व सौतेली मां के साथ रह रहा था। घटना के बाद परिवार में विवाद गहरा गया और पिता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला हरियाणा के नूंह जिले के बासदल्ला गांव से जुड़ा है। यहां रहने वाले रामकिशन की पहली शादी करीब 18 साल पहले फिरोजाबाद की एक महिला से हुई थी। इस शादी से उनका एक बेटा हुआ। कुछ साल बाद पहली पत्नी की मृत्यु हो गई। इसके बाद रामकिशन ने सोहना की रहने वाली एक महिला से दूसरी शादी कर ली। दूसरी शादी से उनकी एक बेटी भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, पहली पत्नी से हुआ बेटा बड़ा होने के बाद अपने पिता का पता लगाते हुए उनके पास पहुंचा। इसके बाद वह करीब तीन महीने तक पिता और सौतेली मां के साथ रहा। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने का आरोप लगाया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि युवक और उसकी सौतेली मां ने घर छोड़ने का फैसला किया और रात के समय दोनों वहां से चले गए। आरोप है कि महिला घर से कुछ नकदी, गहने और कीमती सामान भी अपने साथ ले गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस जांच की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस घटना के सामने आने के बाद परिवार में तनाव बढ़ गया। पिता का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि घर में क्या चल रहा है। उनके मुताबिक, उन्हें बाद में पत्नी और बेटे के घर से गायब होने का पता चला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रामकिशन ने बताया कि वह अपनी पत्नी और बेटे की तलाश में कई महीनों से परेशान हैं। उन्होंने पुलिस से संपर्क किया, लेकिन संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंचाई। उन्होंने मामले की जांच कराने और आरोप सही पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना में युवक की उम्र, महिला के साथ उसके रिश्ते की वास्तविक परिस्थितियां और घर से ले जाए गए सामान से जुड़े आरोप जांच के महत्वपूर्ण बिंदु हैं। यदि युवक नाबालिग है, तो उसकी सुरक्षा और सहमति से जुड़े कानूनी पहलुओं की विशेष जांच आवश्यक है। केवल किसी रिपोर्ट में दावा किए जाने से आरोप साबित नहीं हो जाते। मामले में संबंधित पक्षों के बयान और पुलिस की आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, यह मामला पारिवारिक विवाद और लगाए गए गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा में है। आगे की स्थिति पुलिस जांच और उपलब्ध आधिकारिक तथ्यों पर निर्भर करेगी।

हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के आरोप में ध्रुव राठी की बढ़ेंगी मुश्किलें? पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग

(यंग भारत न्यूज)

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में आए यूट्यूबर ध्रुव राठी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने अपनी एक लंबित आपराधिक शिकायत पर ध्रुव राठी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने चेताया है कि अगर कार्रवाई में देरी होती है तो वे फिर से दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी।

दरअसल अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने अपनी शिकायत में ध्रुव राठी पर हिंदू देवी-देवताओं के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया खा जिनमें भगवान श्री राम और माता सीता भी शामिल हैं। अमिता सचदेवा ने अब एक वीडियो जारी कर कहा है कि 'उन्होंने ध्रुव राठी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 और 299 के तहत शिकायत दर्ज करवाई हुई है। शिकायत अपीलीय समिति और माननीय दिल्ली हाई कोर्ट पहले ही अपने आदेशों में कह चुकी है कि उनके वीडियो से हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं।' अमिता सचदेवा ने वीडियो में आगे कहा कि 'मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दिल्ली पुलिस को कार्रवाई से जुड़ी रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया था जिसका अबतक पालन नहीं किया गया है।' अमिता सचदेवा ने यह शिकायत दिल्ली पुलिस को दी है। दिल्ली पुलिस ने इससे पहले बीते महीने दिल्ली की एक कोर्ट को बताया था कि इस मामले में जांच अभी जारी है। इलेक्ट्रॉनिक सबूत और अकाउंट से जुड़ी जानकारी के लिए गूगल और यूट्यूब से संपर्क किया जा चुका है। पुलिस की ओर से कोर्ट में यह भी बताया गया कि वीडियो में देवी-देवताओं को लेकर कथित रूप से अपमानजनक और आपत्तिजनक बातें की गईं हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं।आपको बता दें कि इस मामले में जुलाई में दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच ने सुनवाई की थी। बेंच ने कहा था कि सरकार की शिकायत अपीलीय समिति (ब्रष्ट) को सचदेवा की अपील पर फैसला करने का निर्देश दिया था। हालांकि इसके बाद गूगल की तरफ से दिल्ली हाई कोर्ट को जानकारी दी गई थी ध्रुव राठी के वीडियो के प्रसार को भारत में रोक दिया गया है।आपको बता दें कि अमिता सचदेवा ने इस मामले में हाई कोर्ट के अलावा ट्रायल कोर्ट का भी रुख किया था। उन्होंने कहा है कि ध्रुव राठी के वीडियो के कंटेट में हिंदू धर्मग्रंथों को गलत तरीके से पेश किया गया है। वीडियो में राठी ने हिंदू धर्मग्रंथों में खान-पान की आदतों पर बात की है। इस वजह से सचदेवा वीडियो को अपमानजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील कहती हैं।

अयोध्या से अगर सच में चुनाव लड़ जाएं सीएम योगी और अखिलेश, तो कौन पड़ेगा भारी? क्या कहते हैं आंकड़े

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक पारा चढ़ता जा रहा है. आलम यह है कि अब खुले मंच से एक-दूसरे को चुनौती दी जा रही है. बड़ी-बड़ी पार्टियों के नेता एक-दूसरे को विधानसभा चुनाव में ललकार रहे हैं.

हालांकि अभी इस ललकार का जवाब भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है. लेकिन इस राजनीतिक चैलेंज ने सूबे की सियासत को नई हवा दे दिया है. दरअसल, हम बात कर रहे हैं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश के मुखिया यानी कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की. अखिलेश यादव ने अयोध्या में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी को चुनौती देते हुए कहा कि वह पवन पांडेय के खिलाफ चुनाव लड़ जाएं तो मानें. वहीं सीएम योगी ने काउंटर चैलेंज करते हुए कहा कि चेलों से क्या मुकाबला करना, आइए, हम और आप दोनों अयोध्या से नामांकन करते हैं, फिर देखते हैं.इस सियासी चैलेंज के बाद अब हर किसी के मन में सवाल है कि अगर सच में अयोध्या विधानसभा सीट से अखिलेश यादव और सीएम योगी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ जाएं तो किसकी जीत होगी? हम आपके लिए कुछ अलग-अलग एंगल ढूंढ कर लाए हैं, जिससे आप बस अनुमान लगा सकते हैं कि किसकी जीत होगी, किसको हार मिलेगी. हालांकि असली नतीजे तो चुनाव के बाद ही सामने आएंगे. अभी हम और आप बस कुछ आंकड़ों के जरिए एक अनुमान ही लगा सकते हैं, जिसका सच्चाई से कोई नाता नहीं है. यह भी बात नोट कर लीजिए कि इस खबर में आपको जो भी फैक्ट्स यानी कि आंकड़े बताए जाएंगे, वो केवल अनुमानित हैं. हम इसकी सटीकता की पुष्टि नहीं करते हैं. असल में आंकड़ों में बदलाव हो सकते हैं. इसलिए इस खबर में दिए गए आंकड़ों को अंतिम सच न मानें...अगर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अयोध्या विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते हैं तो यह मुकाबला केवल दो नेताओं के बीच नहीं बल्कि भाजपा के हिंदुत्व और संगठन के आधार पर और सपा के सामाजिक समीकरण के परीक्षा के तौर पर होगा. हालांकि इस काल्पनिक मुकाबले में कौन जीतेगा या हारेगा, इसका निष्कर्ष जातीय आंकड़े, पिछले विधानसभा-लोकसभा चुनाव के नतीजों, प्रत्याशियों का लोकल प्रभाव, पार्टी के प्रभाव और लोकल मुद्दों के जरिए निकाला जा सकता है.अयोध्या सीट के जातीय समीकरण पर छपे चुनाव रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े हैं. द प्रिंट की 2022 की रिपोर्ट में ब्राह्मण मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब 22 फीसदी, यादवों की 12 फीसदी और दलितों की 15 फीसदी बताई गई. वहीं इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या करीब 40000 और दलित मतदाता की संख्या करीब 65000 बताई गई थी. इन दोनों ही रिपोर्ट में अलग-अलग आंकड़े हैं. इसलिए इस आंकड़े को अनुमानित ही मानें.अयोध्या विधानसभा सीट पर अगड़ी जातियों में ब्राह्मण, ठाकपर, वैश्य, बनिया, अग्रवाल और कायस्थ शामिल हैं. ब्राह्मण मतदाता सपा और भाजपा दोनों के लिए अहम हैं. यह दोनों पार्टियों में अच्छा वर्चस्व रखते हैं और यहां ब्राह्मण मतदाता किसी भी तरफ जा सकता है. वहीं राजपूत मतदाता फिलहाल भाजपा के परंपरागत समर्थक वर्गों में गिने जा रहे हैं. वहीं वैश्य, बनिया और अग्रवाल एक व्यापारी वर्ग है, जो शहरी मतदाताओं के समीकरण में अहम भूमिका निभाते हैं. ऐसा माना जाता है कि व्यापारी वर्ग अधिकांश तौर पर भाजपा के साथ रहता है.अयोध्या विधानसभा सीट पर पिछड़ी जातियों में यादव, कुर्मी, मौर्य, कुशवाहा, निषाद, केवट, अन्य मछुआरा समुदाय, राजभर, लोध और अन्य पिछड़ी जातियां हैं. यादव सपा का प्रमुख पारंपरिक समर्थक वर्ग है. वहीं कुर्मी स्थानीय समीकरण में ओबीसी का अहम वर्ग है.

नए एसपी अचानक कुठौंद थाना पहुंचकर किया आकस्मिक निरीक्षण, नगर का फोर्स के साथ किया पैदल मार्च

थाना स्टाफ को दिए कड़ी पुलिसिंग के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जालौन ने क्षेत्राधिकारी जालौन एवं थाना कुठौंद पुलिस बल के साथ कस्बा कुठौंद में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने कस्बे के मुख्य मार्गों, सर्राफा बाजार सहित सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस बल ने बाजार में भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया।

पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन, व्यापारियों एवं दुकानदारों से संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। साथ ही क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और

आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने पर जोर दिया गया। जालौन पुलिस का उद्देश्य जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा नागरिकों और व्यापारियों को सुरक्षित माहौल।

कालपी में अश्लील वीडियो के ज़रिए तगड़ी ब्लैकमेलिंग का खुलासा, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

वायरल कर देने का भय दिखाकर वसूले 91 हजार

- कालपी में डेटिंग ऐप के जरिए युवक को जाल में फंसाने का आरोप
- वीडियो वायरल करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देकर रकम वसूली
- 79 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर, 12,600 रुपये नकद देने का दावा; पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। ऑनलाइन डेटिंग ऐप के जरिए दोस्ती कर युवक को सुनसान स्थान पर बुलाने, जबरन कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बनाने और उसे वायरल करने की धमकी देकर करीब 91 हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर कालपी कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कानपुर नगर के कल्याणपुर क्षेत्र निवासी विनायक मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह ऑनलाइन डेटिंग ऐप का इस्तेमाल करते हैं। इसी दौरान उनकी दोस्ती एक व्यक्ति से हुई, जिसने अपना नाम अमित बताया। बाद में उसकी पहचान अभिमन्यु खन्ना के रूप में हुई। पीड़ित के मुताबिक 27 सितंबर 2026 को उसे कालपी के कर्बला के पास एक सुनसान स्थान पर बुलाया गया। वहां आरोपी के साथ कैश नाम का एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। आरोप है कि दोनों ने उसे धमकाकर उसके कपड़े उतरवाए और उसका नग्न वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने तथा उसे और उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देकर रुपये की मांग की गई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि डर के कारण उसने अपने मोबाइल से अलग-अलग बैंक खातों में कुल 79 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके अलावा उसके पास मौजूद 12,600 रुपये नकद भी आरोपियों को दे दिए। आरोपियों ने शेष रकम बाद में देने के लिए कहा और रकम न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। भय के कारण पीड़ित तत्काल पुलिस के पास नहीं पहुंच सका। बाद में उसने बैंक ट्रांजेक्शन के स्क्रीनशॉट समेत प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक दिलीप कुमार मिश्रा को सौंपी गई है। पुलिस अब बैंक खातों में हुए लेनदेन, आरोपियों की पहचान और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

नवरात्रि दुर्गा पूजन पर मंदिरों पर श्रद्धालुओं, भक्तों का लगा तांता

दर्शन करने के लिए उमड़ी भीड़ भक्तों ने लगाये माता रानी के जयकारे जय माता की

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ जालौन नवरात्रि दुर्गा पूजन के पावन पर्व पर बड़ी माता मंदिर भैरव मंदिर काली माता मंदिर रामेश्वर धाम मंदिर पर सुबह 4:00 बजे से नवरात्रि के प्रथम दिन श्रद्धालु भक्तों ने जल अभिषेक कर तिलक चंदन लगाकर पूजा अर्चना की माधौगढ़ नगर में कई जगह मूर्ति रखी गई एवं उत्सव का माहौल बना हुआ है नगर के समस्त मंदिरों पर आज भक्तों ने लाइट डेकोरेशन एव फूलों की लड़ी से सजाया मंदिर नगर पंचायत नगर अध्यक्ष राघवेंद्र व्यास ने सफाई कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि नगर में साफ सफाई की जाये नगर में चुना कलाई डलवा दिया जाए जिससे भक्तों को दर्शन करने के लिए पहुंच सकें थाना कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा ने मंदिरों एवं पंडालो पर सुरक्षा व्यवस्था का जयाजा लिया एवं मंदिर कमेटी के आयोजकों को निर्देश भी दिए की मूर्तियों को अकेला ना छोड़े जिस मूर्ति को कोई नुकसान न पहुंचा सके अगर कोई भी व्यक्ति नशे की हालत में पंडाल या मंदिर में अभद्रता करता है तो उस कि शिकायत थाना कोतवाली में दे जिससे उस व्यक्ति के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जा सके मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन मंदिरों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए मौजूद रहा

बुढ़नपुरा के रतनगढ़ कुँअर बाबा मंदिर में तीज को स्थापना दिवस तो पंचमी को मनेगा माता रानी का जन्मोत्सव

प्रतिदिन होगा हवन, रात्रि जागरण में भक्तिमय रहेगा माहौल

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। ग्राम बुढ़नपुरा स्थित रतनगढ़ कुँअर बाबा मंदिर में धार्मिक आयोजनों को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर परिसर में जवारे बोए जा रहे हैं। इसके साथ ही मंदिर में प्रतिदिन हवन का आयोजन किया जाएगा। आगामी तीज को मंदिर का स्थापना दिवस और पंचमी को माता रानी का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रात्रि जागरण का भी आयोजन होगा ।मंदिर के पुजारी नरेंद्र महंत ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक आयोजनों को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। निर्धारित कार्यक्रमों के तहत प्रतिदिन हवन-पूजन किया जाएगा, वहीं रात्रि जागरण में माता रानी की महिमा का गुणगान होगा। स्थापना दिवस और माता रानी के जन्मोत्सव पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे ।इस मौके पर प्रशांत राठौर, अंकित कुमार, प्रदीप कुमार, उमाशंकर, परमानंद और लोकेन्द्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसडीएम न्यायिक आईएएस रिंकू सिंह गांवों की चौपाल पर लगाएंगे अदालत

पैमाइश, हदबंदी, कुरा-बंटवारा और राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों के मामलों के समाधान पर जोर

- छोटे विवादों के लिए बार-बार तहसील आने की जरूरत नहीं, आपसी सहमति से समाधान को दी जाएगी प्राथमिकता
- किसानों से अभिलेख व तथ्य लेकर शिविर में पहुंचने की अपील, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों को बनाया जाएगा जागरूकता दूत
- उरई तहसील में ग्राम पंचायत स्तर पर लगेगा राजस्व शिविर न्यायालय

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। छोटे-छोटे राजस्व विवादों के लिए किसानों को बार-बार तहसील मुख्यालय के चक्कर लगाने से राहत देने की दिशा में न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक), तहसील उरई की ओर से नई पहल शुरू की जा रही है। इसके तहत ग्राम पंचायतों में राजस्व शिविर न्यायालय आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के माध्यम से ऐसे राजस्व विवादों के समाधान का प्रयास किया जाएगा, जिनका निस्तारण आपसी सहमति अथवा नियमानुसार सरल प्रक्रिया से संभव है।

अक्सर भूमि की पैमाइश, हदबंदी, कुर्रा बंटवारा अथवा राजस्व अभिलेखों में त्रुटि और नाम दर्ज होने से संबंधित छोटे विवाद लंबे समय तक चलते रहते हैं। कई मामलों में किसानों को खेती-किसानी और मजदूरी छोड़कर बार-बार तहसील मुख्यालय पहुंचना पड़ता है। इससे उनका समय और धन खर्च होने के साथ आजीविका भी प्रभावित होती है। लंबे समय तक विवाद चलने से परिवारों और पड़ोसियों के बीच आपसी संबंधों में भी कटुता पैदा होती है ।न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक) की पहल का उद्देश्य न्यायालय को किसानों के द्वार तक पहुंचाकर राजस्व मामलों के त्वरित, पारदर्शी और नियमानुसार समाधान की दिशा में काम करना है। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों में किसानों को उनके राजस्व मामलों की प्रक्रिया सरल भाषा में समझाई जाएगी। साथ ही पैमाइश, हदबंदी, कुर्रा बंटवारा तथा राजस्व अभिलेखों में त्रुटि या लोप के सुधार से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी ।पहल के तहत काश्तकारों को अपने प्रकरण की प्रकृति समझने, आवश्यक अभिलेख जुटाने और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने के लिए जागरूक किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह व्यवस्था किसी मौजूदा वैधानिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं है, बल्कि विधि के अनुरूप राजस्व विवादों के समाधान में किसानों की सहभागिता बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास है।

कृषकों से अपील की गई है कि वे अपने भूमि संबंधी विवादों के समाधान के लिए आगे आएं और उपलब्ध अभिलेख एवं वास्तविक तथ्यों के साथ शिविरों में अपनी बात रखें। जहां संभव हो, आपसी सहमति से न्यायसंगत समाधान का प्रयास किया जाए, ताकि अनावश्यक मुकदमेबाजी और लंबे विवादों को कम किया जा सके ।वहीं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और गांव के युवाओं से भी जागरूकता दूत के रूप में काम करने की अपील की गई है, ताकि यह जानकारी अधिक से अधिक काश्तकारों तक पहुंच सके। पहल का संदेश है— ‘अपनी जमीन—खुद समझें, खुद जांचें।‘

एएसपी डॉ ईशान सोनी ने सभी ई-मालखाना मोहर्रिर और हेड मोहर्रिर के साथ कि बैठक

- श्री सोनी ने व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर पुलिसकर्मियों को दिया प्रशिक्षण
- पुलिस लाइन उरई में जिले के सभी थानों से पहुंचे हेड मोहर्रिर और मालखाना मोहर्रिर
- ई-मालखाना सॉफ्टवेयर के संचालन, अभिलेखों के रखरखाव और माल प्रबंधन की दी जानकारी
- मालखाने में जमा संपत्ति के व्यवस्थित रखरखाव और डिजिटल रिकॉर्ड पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। थानों में मालखाने की व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा ई-मालखाना व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस लाइन उरई में अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ. ईशान सोनी की अध्यक्षता में जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त हेड मोहर्रिर एवं मालखाना मोहर्रिर के साथ गोष्ठी की गई।

गोष्ठी के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ई-मालखाना सॉफ्टवेयर के प्रभावी इस्तेमाल को लेकर कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में मालखाने में जमा होने वाले विभिन्न प्रकार के माल का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने, उसकी प्रविष्टि करने तथा संबंधित अभिलेखों को व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके साथ ही माल के रखरखाव, सुरक्षित भंडारण और समय-समय पर उसके सत्यापन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एएसपी डॉ. ईशान सोनी ने कहा कि थानों में मालखाना पुलिस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विवेचनाओं से संबंधित माल, बरामदगी तथा अन्य महत्वपूर्ण सामग्री के सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ई-मालखाना व्यवस्था के माध्यम से माल का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से व्यवस्थित रहने से उसकी निगरानी और सत्यापन की प्रक्रिया अधिक सुगम हो सकेगी। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों की ओर से सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर पूछे गए सवालों का भी समाधान किया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि ई-मालखाना सॉफ्टवेयर में सभी आवश्यक प्रविष्टियां समय से दर्ज की जाएं और मालखाने में रखे सामान का रिकॉर्ड वास्तविक स्थिति के अनुरूप अपडेट रखा जाए। पुलिस विभाग का उद्देश्य डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से मालखानों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है, ताकि मुकदमों से संबंधित माल की पहचान, निगरानी और सुरक्षित रखरखाव में किसी तरह की परेशानी न हो।

मतदाता सूची से छूटे नामों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान, घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

युवा मतदाताओं, बेघर और वंचित वर्गों के नाम जोड़ने के लिए लगेंगे विशेष कैंप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। अपर जिलाधिकारी(वि0एवं रा0)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव राज ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से छूटे हुए एवं प्रथम वार/युवा निर्वाचकों के नाम सम्मिलित किए जाने के संबंध में विशेष अभियान चलाए जाने के संबंध में दिनांक 10.10.2026 को राजनैतिक दलों के जिलास्तरीय प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी जिसमें शान्ति स्वरूप महेश्वरी निर्वाचन प्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी, भगवती शरण पांचाल जिला सचिव बहुजन समाज पार्टी, श्री विनोद कुमार नगरिया जिला सचिव सी0पी0आई0एम0, राजीव शर्मा प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी, राजकुमार शहर अध्यक्ष-उरई कांग्रेस, श्री वृजेश कुमार जाटव जिलाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी, श्री अनिल कुदारी जिलाध्यक्ष अपना दल (सोनेलाल), श्री विनय चौरसिया जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी, श्री विनोद कुमार नगरिया जिला सचिव सी0पी0आई0एम0 आदि राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष अभियान के संबंध में अवगत कराया गया कि बी0एल0ओ0 द्वारा वर्तमान निर्वाचक नामावली (दिनांक 10.04.2026 को प्रकाशित अन्तिम निर्वाचक नामावली) की तुलना विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से पूर्व की निर्वाचक नामावली (अर्हता तिथि 01.01.2025 के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की दिनांक 07.01.2025 को अन्तिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली एवं पूरक सूचियों) से करते हुए ऐसे निर्वाचकों को चिन्हित किया जाएगी और उनकी सूची तैयार की जाएगी, जिनके नाम विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से पूर्व की निर्वाचक नामावली में थे, परन्तु वर्तमान प्रकाशित निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं हैं। बूथ लेवल अधिकारी द्वारा इस प्रकार चिन्हित निर्वाचकों के घर जाकर उनकी वर्तमान स्थिति ज्ञात की जाएगी। भौतिक सत्यापन के दौरान जहां भी कोई पात्र व्यक्ति पाया जाता है, फार्म-6 के माध्यम से उनका नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किया जाएगा। इस दौरान राजनैतिक दलों से अपने बी0एल0ए0 के माध्यम से सहयोग किये जाने की अपेक्षा की गयी। बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर भ्रमण के दौरान छूटे हुए प्रथम बार युवा निर्वाचकों का फार्म-6 भरवाए जाएंगें। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा इस संबंध में समस्त ई0आर0ओ0 को बूथ स्तर पर कैम्प भी लगाने, रात्रि आश्रयों, लेबर कॉलोनियों के साथ आश्रयहीन और मुख्य धारा से प्रथक व्यक्तियों का नाम सम्मिलित किए जाने हेतु विशेष कैम्प के आयोजन के भी निर्देश दिए गए तथा जिला विद्यालय निरीक्षक/नोडल अधिकारी-स्वीप को शिक्षण संस्थानों, स्थानीय स्तर पर जन सम्पर्क, स्वीप गतिविधियों, नियमित प्रेस ब्रीफिंग और अन्य उपयुक्त माध्यमों से जागरूकता का कार्यक्रम चलाये जाने के निर्देश दिए गए।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर जयकारों से गूंजा उरई नगर

आकर्षक झांकियों और सुसज्जित रथ ने मोहा मन, महिला-पुरुषों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। श्री महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर रविवार को श्री महाराजा अग्रसेन सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। टाउनहाल से शुरू हुई शोभायात्रा भगत सिंह चौराहा, घंटाघर चौराहा और डीवीसी चौराहा होते हुए अग्रवाल धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ पर विराजमान महाराजा अग्रसेन की झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

ढोल-नगाड़ों की गूंज और महाराजा अग्रसेन के जयकारों से नगर का माहौल भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में अग्रवाल समाज के महिला-पुरुषों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आकर्षक झांकियों ने लोगों का ध्यान खींचा। नगर के प्रमुख मार्गों पर व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। कई स्थानों पर जलपान की व्यवस्था भी की गई।महिलाएं पारंपरिक परिधानों में मंगल गीत गाते हुए चल रही थीं, वहीं युवा ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते नजर आए। पूरे मार्ग में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। शोभायात्रा के दौरान सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज को समानता, सहयोग, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।शोभायात्रा के समापन पर विधि-विधान से महाआरती की गई।मिष्ठान वितरण किया गया। आयोजन में नगर पालिका जालौन प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, पुनीत गोयल, उमेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल दिनेश अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, शरद अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, सौरभ मित्तल, आदित्य अग्रवाल, विशाल चौधरी, मनोज गर्ग और गौरव अग्रवाल सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे। महिला मंडल की ओर से शिल्पी अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष जालौन नेहा मित्तल, ज्योति अग्रवाल, सुजाता अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल, रानी अग्रवाल, निशा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, दीपिका अग्रवाल, शानू अग्रवाल, आरती अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल और स्तुति अग्रवाल सहित अन्य महिलाओं ने भी सहभागिता की।

30 वर्षों तक देश सेवा करने वाले सेवानिवृत्त सैनिक का कालपी में जोरदार हुआ स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। भारतीय सेना में 30 वर्षों तक सेवाएं देकर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सेवानिवृत्त सैनिक गंभीर सिंह बघेल के कालपी पहुंचने पर नगरवासियों ने फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। उनके सेवानिवृत्त होकर घर लौटने पर लोगों ने खुशी जताते हुए उनके सैन्य जीवन और देशसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अलीपुर अजीतमल, जनपद औरैया निवासी एवं वर्तमान में कालपी में रह रहे गंभीर सिंह बघेल 7 सितंबर 1996 को भारतीय सेना में हवलदार के पद पर भर्ती हुए थे। अपने लगभग 30 वर्षों के सेवाकाल के दौरान उन्होंने लेह-लद्दाख, श्रीनगर, जम्मू, दिल्ली सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों और सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात रहकर देश की सुरक्षा में योगदान दिया। वह पुणे स्थित ऑर्डिनेंस इकाई में भी तैनात रहे। 30 सितंबर 2026 को वह सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हुए।रविवार को पहली बार कालपी पहुंचने पर नगरवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया और उनके लंबे सैन्य सेवाकाल के लिए बधाई दी।इस अवसर पर सेवानिवृत्त सैनिक गंभीर सिंह बघेल ने कहा कि भविष्य में वह बच्चों और युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होकर देशसेवा करने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके साथ ही समाजसेवा के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।स्वागत करने वालों में वीर बहादुर सिंह, सोनू उपाध्याय, विपिन पाल, फौजी शिवकुमार, मोतीलाल, किशोरी लाल, महेश मुनीम, आशीष चौक, पप्पन, खुशी भाई, गणेश जी लाल, मनोज श्रीवास्तव, विजय सिंह, बहादुर सिंह, अनिल यादव, हरकुम बड़े द्विवेदी, दीनू सिकरी, वीरेंद्र प्रजापत, धीरेंद्र, सुंदर सोनी, उस्मान खान सहित अन्य नगरवासी मौजूद रहे।

मुलायम की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पूर्व सैनिकों ने 2027 में सपा सरकार बनाने का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

- सपा कार्यालय में राष्ट्रीय महासचिव चिंतामणि श्रीवास ने किया नेताजी की प्रतिमा का अनावरण
- पूर्व सैनिकों ने मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में सैनिक हित में किए फैसलों को किया याद
- सैनिक प्रकोष्ठ की गोष्ठी में भाजपा सरकार पर लगाए तानाशाही के आरोप
- सपा नेताओं ने पूर्व सैनिकों से 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की

उरई (जालौन)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर शनिवार को सपा कार्यालय उरई में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव चिंतामणि श्रीवास ने मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प भी लिया।

इसके बाद समाजवादी पार्टी सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह पाल और सैनिक समाज सेवा संघ के अध्यक्ष रामगोपाल फौजी के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों की गोष्ठी हुई। गोष्ठी से पहले पूर्व सैनिकों ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके रक्षा मंत्री कार्यकाल को याद किया। सैनिक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेशीय नेता जयदेव यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने रक्षामंत्री रहते सैनिकों के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए थे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में शहीद सैनिक का पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचाने, अंतिम संस्कार में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी तथा राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था को महत्व दिया गया। उन्होंने सैनिकों और उनके परिवारों के लिए किए गए अन्य कार्यों का भी उल्लेख किया। सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह पाल और सैनिक समाज सेवा संघ के अध्यक्ष रामगोपाल फौजी ने उपस्थित पूर्व सैनिकों का आभार जताते हुए कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सभी पूर्व सैनिक एकजुट होकर सहयोग करें। उन्होंने भाजपा सरकार पर सैनिकों के अपमान और तानाशाही रवैये का आरोप लगाया। साथ ही पूर्व सैनिकों से सपा प्रत्याशियों को जिताकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने में सहयोग की अपील की। गोष्ठी में सपा प्रदेश सचिव वीरेंद्र सिंह यादव, जिला महासचिव जमालुद्दीन, जिला प्रवक्ता महेश चंद्र विश्वकर्मा और जिला सचिव प्रताप सिंह यादव ने भी विचार रखे। इस मौके पर फौजी सोहिल अहमद, शिववीर सिंह, सुरेश चंद्र, विजय बहादुर, शंकर लाल मौर्य, मुन्नालाल, प्रयागनारायण सिंह, बृजेंद्र सिंह, हरिप्रकाश, मानसिंह, वृंदावन, जितेंद्र सिंह, वीर सिंह समेत बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

20 क्वार्टर अवैध शराब समेत युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आटा थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 20 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर चालान किया गया है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त एवं संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम भड़ौरी के पास माई मंदिर के नजदीक एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर पूछताछ की तो आरोपी तुलसी पुत्र स्वर्गीय तुल्ली, निवासी भड़ौरी, थाना आटा को पकड़ लिया। आरोपी की तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद बोरी से 20 अदद क्वार्टर देशी शराब बरामद हुई।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बरामद शराब को कब्जे में ले लिया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार सिंह, कांस्टेबल संजय गुप्ता तथा कांस्टेबल अमन पटेल शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा जनपद जालौन इकाई का गठन

-कार्यकरिणी घोषणा के बाद बही काव्य की रसधारा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश साहित्यसभा के प्राधान संयोजक अंतराष्ट्रीय कवि सर्वेश अस्थाना जी अध्यक्ष बलराम श्रीवास्तव जी सभा के मुख्य समन्वयक गिरधर खरे जी के अनुमोदन पर जिला संयोजक शफीकुर्रहमान कशफ़ी ज़िला अध्यक्ष डॉक्टर अनुज भदौरिया ने ज़िला कार्यकरिणी की घोषणा की

राजेन्द्र नगर स्थित सिटी लाइफ स्कूल में शायर असरार अहमद मुक़री और हास्य कवि किरपाराम किरपालु की अध्यक्षता में शिरोमणि सोनी की वाणी वंदना और बुंदेलखण्ड में रफी के नाम से मशहूर मिर्ज़ा साबिर बेग की नाते पाक से शुरू हुई गोष्ठी में सिद्धार्थ त्रिपाठी को सभा का वरिष्ट्य उपाध्यक्ष और श्रीमती प्रिया श्रीवास्तव दिव्यम, श्रीमती इंदु विवेक उदैनिया विवेकानंद को उपाध्यक्ष राघवेंद्र कनकने को सचिव/महासचिव श्रीमती शिखा गर्ग को कोषाध्यक्ष श्रीमती शिरोमणि सोनी, श्रीमती गरिमा पाठक को सहसचिव दिव्यांशु दिव्य प्रचार सचिव श्रीमती सीता खरे संगठन सचिव बनाया गया इसके साथ ही सदस्य के रूप में श्रीमती संगीता दुवेदी सुश्री प्रगति मिश्रा अवध नारायण दुवेदी के साथ कोंच कालपी माधौगढ़ रामपुरा जालौन तहसील प्रभारीयो की घोषणा अति शीघ्र की जाएगी इसके काव्यपाठ करते हुए राघवेन्द्र कनकने ने पढ़ा, प्यार वो बेशुमार करता है, जान हमपे निसार करता है, राम जैसे नहीं मगर हमको, कोई दशरथ सा प्यार करता है, इसके बाद शिखा गर्ग ने पढ़ा, दर्द सीने में जगाते हैं मां आंसू तेरे, रोज़ आवाज़ लगाते हैं मां आंसू तेरे, सिद्धार्थ त्रिपाठी ने पढ़ा, लाये भवर में वो हमें साहिल से खींच कर, जिन पर किया यक़ीन हमने आंख मीच कर, दिव्यांशु दिव्य ने पढ़ा, ज़िंदा में इक बार भी पानी नहीं पूछा, बेटे वही तर्पण को कर अब श्राद्ध रहे हैं, शिरोमणि सोनी वीणा ने पढ़ा, बुजुर्गों की दुआओं से घर भी जन्नत हो जाटी है, चरण बस उनके छूने से पूरी मन्नत हो जाती है, किरपाराम किरपालु ने पढ़ा, पूरा घर खाली था फिर भी मैं अब तक न ढूंढ सका, अपने दुख दर्दों को पापा कहां छिपा कर रखते थे, इसके बाद असरार अहमद मुक़री ने पढ़ा, एक दिन जो लड़ बैठा अपनी मैं पड़ोसन से, फिर पुलिस ने की खातिर ला के मेरी थाने में, संचालन कर रहे संयोजक कशफ़ी ने पढ़ा, कलाम मेरा है पर रंग तो दबीर का है, ये मेरे हाथ में कांसा उसी फ़क़ीर का है सभा के अध्यक्ष अनुज भदौरिया ने कहा साहित्यसभा अपने मूल्य उद्देश्यों को पूरी मेहनत से पूरा करेगी उन्हें अमली जामा पहनाएगी हम सब मिल कर जनपद में साहित्य की लौ को कभी मंद नहीं पड़ने देंगे अंत में तांछल सर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जन अधिकार पार्टी ने शुरू की चुनावी तैयारी

बुंदेलखंड प्रभारी कालीचरण कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने को कहा

(यंग भारत न्यूज)

गोहन (जालौन)। जन अधिकार पार्टी आगामी चुनाव में मजबूती से दावेदारी पेश करने के लिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करेगी। इसके लिए कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर वंचित और शोषित वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ें। यह आह्वान बुंदेलखंड प्रभारी एवं पूर्व सहकारी बैंक अध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने रविवार को गोहन स्थित राज पैलेस में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में किया।

मुख्य अतिथि कालीचरण कुशवाहा ने कहा कि चुनाव में प्रभावी दावेदारी के लिए संगठन का मजबूत होना जरूरी है। कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाएं और पीडीए की सोच को आगे बढ़ाते हुए वंचित एवं शोषित वर्ग के अधिकारों के लिए एकजुट होकर काम करें।विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष सुंदर सिंह ने कहा कि सभी वर्गों के लोगों को संगठन से जोड़कर संस्थापक बाबू सिंह कुशवाहा और राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना होगा। मंडल महासचिव ब्रजमोहन कुशवाहा एडवोकेट ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं। उन्होंने गांव चलो अभियान के तहत प्रतिदिन गांवों में पहुंचकर पार्टी की नीतियों से लोगों को अवगत कराने और नए लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया।सम्मेलन की अध्यक्षता नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजकुमार मोखरी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव मोहन सिंह मुन्ना ने किया। कार्यक्रम संयोजक जयप्रकाश कुशवाहा दाऊ ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान बूथ अध्यक्षों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।सम्मेलन में बसपा छोड़कर जन अधिकार पार्टी में शामिल हुए जयप्रकाश कुशवाहा दाऊ ने विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी पेश की। वहीं, दयाशंकर कठेरिया को युवा महासचिव पद का मनोनयन पत्र सौंपा गया।इस मौके पर जिला प्रभारी राजेंद्र पाल, जिला सलाहकार अनुरोध सिंह, जिला उपाध्यक्ष कृष्णपाल खितौली, युवा जिलाध्यक्ष लाल सिंह सहाव, विधि प्रकोष्ठ के वीर सिंह एडवोकेट, बाबू सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष अमित कुमार मोनू, जिला मीडिया प्रभारी शत्रुघ्न कुशवाहा, बालकराम कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, संजीव कुशवाहा, बृजेश कुमार वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दूध के बकाया रुपये मांगने पर विवाद व जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई।तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपरायां में दूध के बकाया रुपये मांगने को लेकर विवाद के मामले में पीड़ित महिला ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर गांव के आरोपियों पर मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हूरें मुकदमा दर्ज कराया है। महिला ने दूध के करीब 43 हजार रुपये मांगने पर आरोपियों ने उसके परिवार के साथ अभद्रता की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

वादिनी महिला ने थाना आटा में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थिनी

दूध बेचने का व्यवसाय करती है। गांव के आरोपी मुन्नालाल पाल के यहां दूध का हिसाब महीने के अंत में होता था। मुन्नालाल पर उसके करीब 43 हजार रुपये बकाया हो गए थे। कई बार रुपये मांगने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया।पिछले सात-आठ महीने से दूध का कारोबार भी बंद कर दिया गया, लेकिन बकाया रकम नहीं दी गई। दिनांक 20-06-2026 को वह अपने पति गुलाब सिंह के साथ बकाया रुपये मांगने आरोपी मुन्नालाल के घर गई थी। इस दौरान विवाद बढ़ गया। आरोपियों राजपाल, रविंद्रपाल, मुन्नालाल पाल सहित अन्य लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट का प्रयास करने और जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने रुपये मांगने पर झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी भी दी। महिला ने न्यायालय से मामले की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराकर निष्पक्ष विवेचना और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है।

3 अस्पतालों में आयोजित मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेलों में 94 मरीजों का हुआ उपचार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई।शासन की महात्वाकांक्षी योजना के तहत रविवार को कालपी, चुरखी तथा महेवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकीय टीमों के द्वारा 94 मरीजों का उपचार करके स्वस्थ रहने का परामर्श दिया गया।

रविवार को सुबह 10 से 4 वजे नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा कालपी में चिकित्साधिकारी डॉक्टर अमित पोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित मेले में 41 मरीजों का इलाज किया गया। जिसमें 25 पुरुष, 16 महिला मरीज शामिल रहे।इस दौरान शुगर के 5 टेस्ट किए जबकि बुखार तथा स्किन के 6-6 मरीजों की जांच की गयी।महिला चिकित्सक डॉ रंजना सिंह ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारियां देते हुये जागरूक किया।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा में चिकित्साधिकारी डॉ शेख शहरयार, कर्मचारियों मनीष कुमार, कमलेश कुमार की मौजूदगी में आयोजित मेले में 32 मरीजों का इलाज किया गया। सरकारी चिकित्सालय चुरखी में 21 मरीजों का इलाज हुआ। मेलो में कंडोम, टेबलेट तथा सामग्रियों का वितरण कर परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया।

रामलीला रंगमंच पर धनुष यज्ञ लीला का भव्य मंचन, श्रीराम के धनुष तोड़ते ही जयकारों से गूंजा पंडाल और आधमके फरसाधरी परशुराम

(यंग भारत न्यूज)

कोंच* नगर की सबसे बडी धार्मिक संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित एतिहासिक रामलीला महोत्सव में शनिवार देर रात धनुष यज्ञ लीला का भव्य मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम द्वारा भगवान शिव के धनुष को तोड़ते ही रामलीला परिसर जयश्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद माता सीता ने प्रभु श्रीराम के गले में वरमाला डालकर स्वयंवर की परंपरा पूरी की। इस मनमोहक दृश्य को देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। लीला का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मौजूद रहे।रामलीला मंचन के दौरान रावण-वाणासुर संवाद तथा लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय, संवाद अदायगी और भाव-भंगिमाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं मंच की भव्य साज-सज्जा और पात्रों की शानदार प्रस्तुति ने मिथिला नगरी में आयोजित सीता स्वयंवर के प्रसंग को जीवंत कर दिया। पूरी लीला के दौरान दर्शक उत्साह के साथ मंचन का आनंद लेते रहे।

गुरु की आज्ञा पर श्रीराम ने तोड़ा शिव धनुष*

रामलीला के कथानक के अनुसार, राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर के लिए भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाकर उसकी प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी थी। स्वयंवर में भूप भूप से आए अनेक राजा-महाराजा धनुष को हिला तक नहीं सके। इसके बाद गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर प्रभु श्रीराम आगे बढ़े और सहजता से शिव धनुष उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने लगे। इसी दौरान धनुष टूट गया और उसकी गर्जना से पूरा परिसर गूंज उठा। शिव धनुष भंग होते ही मिथिला में हर्षोल्लास छा गया। इसके बाद माता सीता ने श्रीराम के गले में वरमाला डालकर उन्हें अपने वर के रूप में स्वीकार किया।धनुष यज्ञ लीला में कलाकारों ने विभिन्न पात्रों का सजीव चित्रण कर धार्मिक प्रसंग को प्रभावशाली बनाया। मंचन में विश्वामित्र की भूमिका राघवेंद्र तिवारी,राजा जनक की भूमिका धर्मेंद्र, सुनयना की भूमिका सूरज शर्मा, रावण की भूमिका रूपेश सोनी तथा वाणासुर की भूमिका संजय सिंघाल ने निभाई।वहीं विमती के पात्र में नेमी चंद्र अग्रवाल, सुमति के पात्र में अनिल अग्रवाल और सखी की भूमिका में गौरीशंकर ने अभिनय किया।बिदूसक का किरदार राकेश गिरवासिया ने निभाया वही नाई रूचिर रस्तोगी,संतोष राठौर बने सभी कलाकारों के शानदार प्रदर्शन की दर्शकों ने सराहना की।इस अवसर पर रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल, मंत्री शैलेष सोनी,विजय गुप्ता भोले,विनोद दुबे, अतुल चतुर्वेदी,पुरुषोत्तमदास रिछारिया,सुधीर सोनी, संजीव सरस,चंद्रशेखर तिवारी,दीपक सोनी,अपनी अपनी व्यवस्थाओ मे लगे रहे।

मनोरमा निगम को श्रद्धांजलि देने पहुंचे राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र के लोग

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता राजेंद्र निगम, महेंद्र निगम की मकता जी मनोरमा निगम का निधन 25 सितंबर 2026 को हो गया था। अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाने के चलते पूर्व विधायक कप्तान सिंह राजपूत और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश तिवारी रविवार को महेंद्र निगम के पटेल नगर स्थित आवास पर पहुंचे। वहीं सपा जिलाध्यक्ष दीप राज गुर्जर और शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र राजपूत ने भी पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने श्रीमती मनोरमा निगम के निधन को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की।श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में नरपेंद्र देव सिंह राजा खरूसा, पास्टर महाराज, रविंद्र यादव ठेकेदार, सौरभ दुबे कैथरी, संजय यादव, शैलेंद्र सिंह, पंडित नंदकुमार तिवारी, विकार अहमद, विजय चौधरी और बल्ली सेठ सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

शारदीय नवरात्र प्रारंभ, देवी मंदिरो में उमड़ी भक्तो की भीड

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में रविवार से नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ हो गया। शक्ति की आराधना के पर्व के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार की भोर में मंदिरों के पट खुलते ही घंटा-घड़ियालों और शंख की ध्वनि के बीच माता रानी के जयकारे गूंजने लगे। पूरे नगर में भक्तिमय माहौल नजर आया और श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।नवरात्र के पहले दिन कोंच नगर के प्रसिद्ध मां सिंहवाहिनी मंदिर, बड़ी माता मंदिर और हुलका माता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ माता रानी की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने चुनरी, नारियल, पुष्प और प्रसाद अर्पित कर मां का आशीर्वाद लिया।वहीं घरों में भी नवरात्र को लेकर विशेष तैयारियां की गईं। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से कलश स्थापना और पूजन किया। कई घरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ और भजन-कीर्तन के माध्यम से मां की आराधना की गई। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु पूरे नवरात्र व्रत रखकर मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करेंगे।नगर के प्रमुख देवी मंदिरों के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। मान्यता है कि मां के दरबार में सच्चे मन से माथा टेकने और पूजा-अर्चना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में लोग माता रानी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा। मंदिर परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए, ताकि दर्शन-पूजन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना न हो।

धूमधाम से निकाली गयी अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा

-भक्तो ने जगह-जगह आरती उतारी,पुष्प वर्षा की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में रविवार को महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। दोपहर नगर के अग्रवाल भवन से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। इसमें अग्रवाल समाज के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान नगर का माहौल उत्सवमय और भक्तिमय नजर आया। जगह-जगह लोगों ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा की आरती उतारकर श्रद्धा व्यक्त की और शोभायात्रा का स्वागत किया।

शोभायात्रा में सुसज्जित रथ पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा विराजमान रही, जिसके दर्शन करने के लिए लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। वहीं, हाथी और घोड़ों पर सवार छोटे बच्चे महापुरुषों के स्वरूप में आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों के आकर्षक स्वरूप और शोभायात्रा की भव्यता ने लोगों का ध्यान खींचा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने अपने घरों के सामने पहुंची शोभायात्रा का स्वागत किया और महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा की आरती उतारी।महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर लिया हिस्सा

शोभायात्रा में अग्रवाल समाज की महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुई। महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन की धार्मिक और सांस्कृतिक छटा को और बढ़ा दिया। समाज के लोगों में जयंती को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने महाराजा अग्रसेन के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। पूरे मार्ग में स्वागत और श्रद्धा का माहौल बना रहा।नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी शोभायात्राअग्रवाल भवन से शुरू हुई शोभायात्रा जरा वाले, वकील, नई बस्ती, रामगंज बाजार, नगरपालिका, सागर चौकी और चंदकुआ सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने आरती उतारकर

कालपी में अमर सिंह चंदेल ने चलाया जनसंपर्क अभियान, पीडीए और सर्व समाज से मांगा बदलाव का समर्थन

(यंग भारत न्यूज)

- पिपरौंधा, चकगहपुरा, मलथुआ और जहटौली में नुक्कड़ सभाएं कर सपा की नीतियों और सामाजिक न्याय का संदेश दिया
- दो शोकाकुल परिवारों के घर पहुंचे अमर सिंह चंदेल, दिवंगतों को श्रद्धांजलि देकर परिजनों को बंधाया ढांढस
- वर्ष 2027 में एकजुट होकर पीडीए की मजबूत सरकार बनाने का किया आह्वान, मातृशक्ति एवं सर्व समाज से मांगा समर्थन
- कालपी विधानसभा में अमर सिंह चंदेल का जनसंपर्क अभियान

कालपी। विधानसभा कालपी (220) क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के नेता अमर सिंह चंदेल ने रविवार को कई गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। उन्होंने पिपरौंधा, चकगहपुरा, मलथुआ और जहटौली समेत विभिन्न गांवों में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ लोगों से मुलाकात की। इस दौरान पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ ही सर्व समाज के नागरिकों से संवाद कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की नीतियों और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर चर्चा की।

अमर सिंह चंदेल ने छोटी-छोटी नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से समाजवादी पार्टी की जनहितैषी नीतियों, विकास के विजन और सामाजिक न्याय के संकल्प को लोगों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही क्षेत्र और प्रदेश का समग्र विकास संभव है। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों से स्थानीय समस्याओं की जानकारी भी ली और उन्हें भरोसा दिलाया कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। जनसंपर्क के दौरान अमर सिंह चंदेल को पिपरौंधा गांव में श्री शिव कुमार याज्ञिक के पिता सियाराम याज्ञिक के 80 वर्ष की आयु में निधन की सूचना मिली। वह शोकाकुल परिवार के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इसी तरह जहटौली गांव में लक्ष्मण गौतम पुत्र नैक्से, उम्र 62 वर्ष, के निधन की सूचना पर भी उनके घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य देने की प्रार्थना की। अमर सिंह चंदेल ने कहा कि जनसंपर्क का उद्देश्य केवल राजनीतिक संवाद नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना भी है। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और समर्थन समाजवादी विचारधारा को लगातार मजबूती प्रदान कर रहा है। इस दौरान सर्व समाज के लोगों के साथ मातृशक्ति का भी स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन मिलने का दावा किया गया। अमर सिंह चंदेल ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर पीडीए और समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने तथा समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया।

रास्ते के विवाद में मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने में मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई ।तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम पिपरायां में आम रास्ते पर अतिक्रमण को लेकर चल रहे विवाद में गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामले में वादी सचिन कुमार द्विवेदी ने थाना आटा पुलिस में सुसंगत धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए कार्यवाही करने की मांग की है।

वादी सचिन कुमार द्विवेदी पुत्र स्वर्गीय रामजी द्विवेदी निवासी ग्राम पिपरायां वर्तमान में कानपुर में नौकरी करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव में ग्राम समाज की जमीन से होकर निकलने वाले आम रास्ते पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है। इस संबंध में पहले भी तहसील कालपी में शिकायत की गई थी। दिनांक 27-08- 2026 को जब वह अपने गांव पहुंचे, तो विपक्षियों ने उनके तथा उनके भाई सौरभ के साथ गाली-गलौज व मारपीट का प्रयास किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उसी दिन शाम करीब चार से पांच बजे के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विपक्षी पक्ष के लोगों ने महिलाओं के सहयोग से लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। उनकी मां रीता द्विवेदी और चचेरे भाई मंगलम की मदद से किसी तरह मामला शांत कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों द्वारा पिछले करीब तीन वर्षों से उन्हें परेशान किया जा रहा है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की।

माधौगढ़ में आर्यन फिजियोथेरेपी क्लीनिक का हुआ शुभारंभ

डॉ. ए.एस. दुबे के नवीन प्रतिष्ठान से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने की उम्मीद

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। माधौगढ़ में डॉ. ए.एस. दुबे द्वारा नवस्थापित प्रतिष्ठान आर्यन फिजियोथेरेपी क्लीनिक का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने डॉ. ए.एस. दुबे को नवीन प्रतिष्ठान की शुरुआत पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि आर्यन फिजियोथेरेपी क्लीनिक के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को बेहतर फिजियोथेरेपी एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नए प्रतिष्ठानों की स्थापना से स्थानीय लोगों को सुविधा मिलती है और उन्हें उपचार के लिए दूर-दराज के स्थानों पर जाने की परेशानी से राहत मिल सकती है। इस अवसर पर विधायक माधौगढ़ मूलचंद निरंजन,नगर पंचायत अध्यक्ष राघवेन्द्र व्यास, चिकित्सा प्रभारी मनीष राजपूत, ज्योतिष सिंह, पवन महाराज, देवेन्द्र भदौरिया सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने डॉ. ए.एस. दुबे को नए प्रतिष्ठान के सफल संचालन और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधायक, पालिकाध्यक्ष ने किया दो सीसी रोड का उद्घाटन

71 लाख से बनेगी सडके,आवागमन होगा सुगम

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के वार्ड नंबर एक मुहल्ला गांधी नगर में रविवार सुबह दो सीसी सड़कों का उद्घाटन विधायक मूलचन्द्र निरंजन और पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने किया। दोनों सड़कों के निर्माण पर कुल लगभग 71 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। सड़कों के निर्माण से मुहल्ले के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।पहली सीसी सड़क मुन्ना परदेशी के मकान से वीरेंद्र श्रीवास के मकान तक बनाई गई है। इसकी लंबाई 214 मीटर और चौड़ाई साढ़े पांच मीटर है। इस सड़क के निर्माण की अनुमानित लागत करीब 27 लाख रुपये बताई गई है। वहीं, दूसरी सीसी सड़क लालू झा के मकान से नायक के मठ तक बनाई गई है। इसकी लंबाई 260 मीटर है और निर्माण लागत लगभग 44 लाख रुपये बताई गई है।दोनों सड़कों का निर्माण ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और विनय पाडौरी द्वारा कराया गया है। उद्घाटन के अवसर पर विधायक और पालिकाध्यक्ष ने सड़कों का शुभारंभ किया। इस दौरान नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव और वार्ड सभासद महेंद्र कुशवाहा भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, भावना पटेल, ओपी कुशवाहा, बादाम कुशवाहा और रवि कुशवाहा विनोद सोनी सहित अवर अभियंता अरुण कुमार तथा मुहल्ले के तमाम लोग उपस्थित रहे।स्थानीय स्तर पर सड़क निर्माण को मुहल्ले की बुनियादी सुविधाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। सीसी सड़कें बनने से लोगों को आने-जाने में सहूलियत मिलने के साथ ही दैनिक आवागमन सुगम होने की उम्मीद है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के लोगों की मौजूदगी रही।

चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी है। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार है। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना रयबाकिना, अर्यना सबालेंका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई है। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई है।

मेदवेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत 1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेदवेदेव ने एक सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेदवेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेदवेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुबई, ब्रिस्बेन और हांग्जो टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी या डालिबोर स्वर्सिना से होगा। मेदवेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवीं बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

खबर संक्षेप

टी-20 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया

रावलपिंडी। साहिबजादा फरहान ने कप्तान पद संभालने का जश्न शानदार तरीके से मनाते हुए 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। पाकिस्तान के सामने 183 रन का लक्ष्य था और उसने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फरहान ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार पारी खेली। उन्हें माज सदाकत का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने महज 29 गेंदों में 50 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज लाहिरु उदारा के 91 रन की मदद से पाकिस्तान के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने 8 विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

भारत दौरा: जिम्बाब्वे की कप्तानी करेंगी नकोमो

बुलावायो। ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले भारत के पहले दौरे में जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। जिम्बाब्वे ने सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने वाली टीम का ही चयन किया है। भारतीय दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में न्याशा ग्वांजुरा और मिशेल मावुंगा भी शामिल हैं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 16, 18 और 20 अक्टूबर को रायपुर में खेले जाएंगे।

लोग होप को कम करके आंकते हैं: चेज

रांची। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोस्टन चेज का मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके कप्तान शाई होप को कम करके आंका जाता है। होप ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी पिछली चार पारियों में तीन शतक बनाकर आईपीएल की दिसंबर में होने वाली मिनी नीलामी के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है। चेज ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोग शाई होप को बहुत कम करके आंकते हैं।'

तीसरा टी-20 : होलकर स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज में कांटे की टक्कर

इंदौर में फिर बरसेगा रनों का तूफान! बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।

मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

भारत के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय

भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बना हुआ है और वह इस मैच में इसका हल ढूंढने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइंडीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रिकार्ड लक्ष्य हासिल कर लिया।

अय्यर का फॉर्म में लौटना सकारात्मक

भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अय्यर का फॉर्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद 102 रन बनाए और दूसरे मैच में 18 गेंद पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 62 रन बनाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह फिर से पक्की कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी जोर दे दूसरे मैच के बाद कहा था कि संयोजन में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शीर्ष क्रम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अय्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजन के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा।

अर्शदीप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा, जिन्होंने दो मैचों में 79 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फॉर्म में वापस आने से वेस्टइंडीज की टीम खुश होगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज हालांकि शमार स्प्रिंगर को बदलने पर विचार कर सकता है, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 64 रन देकर दो विकेट लिए। मैच का समय: शाम 7 बजे

टेस्ट क्रिकेट

9 साल का सूखा खत्म, रेनशॉ ने लगाया शानदार शतक

डरबन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने जबरदस्त शतक जड़ा और 9 साल का सूखा खत्म किया।

रेनशॉ के टेस्ट करियर का यह दूसरा शतक था। उन्होंने पहला शतक जनवरी 2017 में जड़ा था। इसके बाद उन्होंने 18 पारियों में शतक नहीं लगाया। रेनशॉ ने 204 गेंद पर एनरिक नोर्खिया को चौका जड़कर शतक पूरा किया। रेनशॉ का शतक 2014 के बाद दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं और 2009 के बाद किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया का पहला शतक है। बाएं हाथ के बल्लेबाज की शतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया 250 के करीब पहुंचा। 124 रन पर उसका 6 विकेट गिर गया था। रेनशॉ को कप्तान पैट कमिंस से अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच 191 गेंद पर 86 रनों की साझेदारी हुई।

ऑस्ट्रेलिया सम्मानजनक स्थिति में

डरबन टेस्ट के दूसरे दिन पहले सत्र का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 96 ओवर में 8 विकेट पर 277 रन बना लिए। मैट रेनशॉ 221 गेंद पर 10 चौके की मदद से 102 रन बनाकर नाथन लियोन 7 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 87 गेंद पर 41 रनों की साझेदारी हो गई है।

वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बात करें तो पैट कमिंस ने 43, मार्नस लाबुशेन ने 31, स्टीव स्मिथ ने 25, एलेक्स कैरी ने 14, ट्रेविस हेड ने 9, मिचेल स्टार्क 1 और ब्यू वेबस्टर ने 1 और जिक मैडिन्सन बगैर खाता खोले आउट हुए। साउथ अफ्रीका के लिए वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए, मार्को यानसेन और एनरिक नोर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी : आज से 92वें सीजन की शुरुआत, 38 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपना खिताब जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।

सीजन का पहला राउंड होगा जबरदस्त

2026-27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव सुथार (राजस्थान), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

शमी की मैदान पर वापसी

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए अपडेट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटोर नियुक्त किया है।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चोट के कारण हुआ बाहर

ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और करारा झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण इससे बाहर हो गए हैं। खेल के सभी प्रारूप में खेलने वाले इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गई थी।

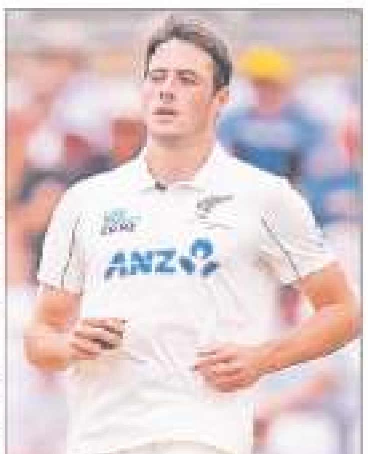

22 अक्टूबर को टी20 मैच

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि ओ'रूर्के को भारत के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रखने का फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्श के बाद लिया गया। उनकी निगाहें अब दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करने पर टिकी हैं। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, पांच वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 22 अक्टूबर को काइस्टचर्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी।

सऊदी प्रो लीग में दिरियाह पर दागा जीत का गोल

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी

रियाद

अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम पुर्तगाल से विवादास्पद तरीके से बाहर होने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में वापसी की और सऊदी प्रो लीग में अल नासर की दिरियाह पर 3-0 से जीत में पहला गोल किया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन अल नासर आठवें दौर के बाद अंकों के आधार पर शीर्ष पर काबिज अल-कदसियाह की बराबरी पर आ गया है। अल नासर गोल अंतर के कारण दूसरे स्थान पर है। रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय अवकाश के दौरान पुर्तगाल की टीम से बाहर हो गए थे, जिसके लिए उन्होंने 234 मैचों में 146 गोल किए हैं। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने जारी बयान में कहा कि नवनियुक्त कोच जॉर्ज जीसस ने नेशंस लीग में उन्हें खिलाने के अपने वादे का पालन नहीं किया।

एनफील्ड स्टेडियम में मैच खेलना खास : हालैंड

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को भरोसा है कि क्लब के फैन्स एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेंगे। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियाई खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और एकजुट रहने का आग्रह किया है। हालैंड ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैन्स अच्छा समय बिताएंगे। उन्होंने कहा, एनफील्ड में मैच खेलना हमेशा खास होता है। मैंने यहां जीत हासिल की है, ड्रॉ खेला है और हार भी झेली है, इसलिए यह हमेशा खास होता है। हर प्रीमियर लीग मैच अलग होता है, और लिवरपूल के खिलाफ हर मैच हमेशा खास होता है।" नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने सिटी और यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में भी बात की।

शारदीय नवरात्र विशेष

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्र के बहुरंगी उत्सव

बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा

गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया

ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा

उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।

महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबो) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।

दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्मइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। ❋

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाना-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंशु जैन

भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्र' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण है। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का माहात्म्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती है। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि ये बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में इनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में 'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। ❋

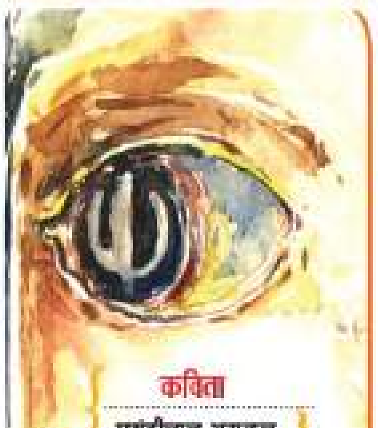

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी नित्य पुरानी
आंखों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़े दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
बीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक

हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं है। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़े तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी को असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'एरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।' 'नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गई हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। ❋

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

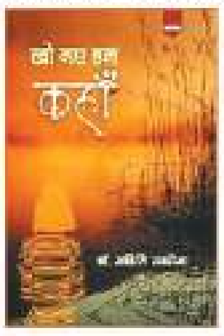

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। ❋

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसके व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिभा और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। ❋

यंग भारत

जिले के तीन पत्रकारों को मिला स्व0 जमुना प्रसाद बोस स्मृति सम्मान

-तारा पाटकार' संजय मिश्रा' आनन्द द्विवेदी को मिला सम्मान

-हमीरपुर' महोबा' बांदा' जालौन से आए पत्रकारों ने पृथक बुन्देलखण्ड की मांग पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

चरखारी (महोबा) 11 अक्टूबर। स्व0 गिरजा शंकर स्मृति फाउण्डेशन उरई के तत्वाधान में जिले के तीन पत्रकारों आनन्द द्विवेदी को सर्वश्रेष्ठ पत्रकार 'सम्मान, संजय मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ पत्रकार

संगघनकर्ता एवं तारापाटकार को लाईफ टाईम एचीवमेंट के रूप में स्व0 जमुना प्रसाद बोस सम्मान प्रदान किया गया। मोती महल में आयोजित सम्मान समारोह में हमीरपुर' महोबा' बांदा' जालौन से आए पत्रकारों और साहित्यकारों ने बुन्देलखण्ड के विकास के लिए पृथक राज्य की मांग पर जोर दिया। स्व0 गिरजा शंकर स्मृति फाउण्डेशन उरई के तत्वाधान में पूर्व मंत्री एवं पत्रकार स्व0 जमुना प्रसाद बोस पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें जिले के वरिष्ठ पत्रकारों आनन्द द्विवेदी को सर्वश्रेष्ठ पत्रकार' संजय मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ पत्रकार एवं संगघनकर्ता एवं तारापाटकार को लाईफ टाईम एचीवमेंट को शाल उढ़ाते हुए स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए अनिल शर्मा ने कहा कि आज पत्रकारिता भटकी हुई है आन्दोलन को खड़ा करना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता पूंजीपतियों के लिए नहीं मजदूर की आवाज बनकर ही सच्ची पत्रकारिता है। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी राकेश अग्रवाल ने स्व0 जमुना प्रसाद बोस के साथ किए कार्यो को याद करते हुए उनके साथ बीते पलों को स्मरण किया। सुमित तिवारी ने स्व0 बोस जी एक प्रेरणादायक पत्रकार रहे हैं। संतोष पटेरिया ने अपनी पत्रकारिता के पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि तब समय था जब तीन दिन बाद ही समाचार अखबार में मिलते थे । उन्होंने सम्मान का संधिविच्देत करते हुए कहा कि सम्मान अर्थ सम मान है जो निरन्त बना रहने वाला है। पत्रकार संजय मिश्रा ने मिले सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ईमानदारी से की गयी पत्रकारिता चकाचौंध से अलग रहती है लेकिन प्रेरणाश्रोत होती है जैसा कि स्व0 बोस को आज पत्रकार अपना प्रेरणाश्रोत मानते हैं। सम्मान प्राप्त करने वाले पत्रकार तारा पाटकार ने कहा कि आजादी के बाद से आज तक बुन्देलखण्ड के साथ अन्याय हुआ है और वह पृथक राज्य की लड़ाई लड़ रहे है उसे जारी रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत बुन्देलखण्ड पृथक राज्य निर्माण के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि पत्रकार यदि चाह ले तो हम बुन्देलखण्ड लेकर रहेंगे। उन्होंने का कि बुन्देलखण्ड की गरीब जनता के न्याय की लड़ाई में वह कभी पीछे नहीं रहे हैं और सत्ता में रहते हुए सत्ता के खिलाफ आवाज उठाते हैं साथ उनके बेटे विधायक बृजभूषण भी न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं ओर लड़ते रहेंगे। उन्होंने का कि बुन्देलखण्ड की माटी का कर्ज चुकाने के लिए वह बुन्देलखण्ड की मांग उठाते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान फाउण्डेशन के अध्यक्ष तथा सेवानिवृत्त जिला जज शक्तिकान्त श' संयोजक अनिल शर्मा' अशोक त्रिपाठी जीतू' राहुल देव' संतोष पटैरिया' बलवीर यादव' रामगोपाल अजय अग्रवाल सीताराम सोनी अचल शर्मा मुजीब आलम मुसीर अहमद ,तनवीर अहमद,सहित स्थानीय पत्रकार एवं साहित्यकार मौजूद रहे। इसके पूर्व अमर उजाला लखनऊ के संपादक विजय त्रिपाठी ने अपने भेज वीडियो संदेश में कहा पत्रकारों को बच्चों के साथ तोड़ मरोड़ नहीं करना चाहिए तथ्यों को शुद्धता के साथ इस्तेमाल करना चाहिए उन्होंने कहा असली पत्रकार चाहिए है जिनकी कोई नहीं सुनता उसे पीड़ित की आवाज को पत्रकार उठाएं जिस दिन वर्जिन ब्वॉय ऐसा करेंगे समझ में उनका सम्मान अपने आप पड़ जाएगा और उनके आत्मा बल भी बहुत बढ़ जाएगा। वरिष्ठ इंडियन रेलवे सर्विस अधिकारी,रि,ट, अमिताभखरेने कहां के परिहार कर्म के कारण वह इस समय अमेरिका में है उन्हें आज चरखारी में होना चाहिए था उन्होंने कहा बस जी जैसे आदर्श पत्रकार और आदर्श नेता के नाम पर इस तरह से जो पत्रकारिता का सम्मेलन हो रहा है यह एक बहुत अच्छी परंपरा है इसे आगे और जोर-जोर से जारी रखना चाहिए ताकि नई पौध है जो पत्रकारिता में बस जी के आदर्शों पर कम करें उन्होंने कहा कि पूर्व जगह शक्तिकांत जी ने स्वर्गीय गिरजा शंकर श्रीवास्तव जी के नाम पर जो फाउंडेशन बनाकर यह पोस्ट जी के लिए पत्रकारता का जो कार्य किया है इसकी भूरी भूरी प्रशंसा होनी चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार अनिल शर्मा के और अशोक त्रिपाठी जीतू तथा आनंद सिंह के योगदान की विषय रहना की।

संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंचे स्नातक एमएलसी प्रत्याशी शिवशंकर पटेल, डॉ. संदीप सरावगी ने किया स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। स्नातक एमएलसी पद के प्रत्याशी एवं पूर्व प्रधानाचार्य शिवशंकर पटेल नामांकन दाखिल करने के बाद जनसंपर्क अभियान के क्रम में संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंचे। यहां समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने तिलक एवं माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर शिवशंकर पटेल ने बुंदेलखंड और पूर्वांचल के विकास तथा क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के मुद्दे को मजबूती से उठाने की बात कही। उन्होंने बुंदेलखंड के लिए अलग राज्य की मांग को लेकर भी अपनी आवाज बुलंद करने का संकल्प दोहराया।उन्होंने कहा कि वह किसी दलगत दबाव के बजाय स्नातक मतदाताओं, शिक्षकों और कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने मतदाताओं से ऐसे प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की, जो क्षेत्र और समाज के मुद्दों को समझता हो।वहीं डॉ. संदीप सरावगी ने शिवशंकर पटेल के कार्यों और उनके अनुभव की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिवशंकर पटेल लंबे समय तक शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और क्षेत्रीय तथा सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की बात कर रहे हैं। इस दौरान डॉ. सरावगी ने उपस्थित लोगों से उनके समर्थन में मतदान की अपील भी की।कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, क्षेत्रीय विकास और बुंदेलखंड के विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा हुई।

विश्व कल्याण और सर्वमंगल की कामना कर किया गौ माता का पूजन

इस्कान मंदिर में शारदीय नवरात्रि पर्व के पहले दिन दुर्गा उत्सव महासमिति ने किया गौ पूजन कार्यक्रम

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। विश्व का कल्याण हो, घर - घर सुख समृद्धि रहे, यह भावना के साथ इस्कान मंदिर में दुर्गा उत्सव महासमिति ने सामूहिक रूप से गौ माता की पूजा एवं महाआरती की। गौ माता का मोहक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष ब्रजभूमि दास प्रभु ने कहा कि गौ माता की पूजा व भक्ति करने से जीवन सुखमय रहता है। दुर्गा उत्सव महासमिति के शोभायात्रा संयोजक पीयूष रावत ने कहा कि गौ माता की पूजा आराधना करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं। गौ माता का जहां वास होता है, वहां से सभी प्रकार के वास ?तु दोष स ?वत: ही दूर हो जाते हैं। भगवान ने स्वयं अपने मुख से बोला है कलयुग में गौ माता की भक्ति ही बैकुंठ का मार्ग दिखा सकती है और बैकुंठ ले जा सकती है। गौ माता ही एक ऐसी शक्ति है, जो सबके भाग्य बदल सकती है। आओ हम सब मिलकर गौ सेवा करें गोपालन करें। हम सभी गौ माता से विश्व शांति का आशीर्वाद प्राप्त करें। कार्यक्रम अवसर पर गौ माता का धूप-दीप, अक्षत, रोली, गुड़ आदि वस्त्र तथा जल से पूजन किया गया। धूप-दीप से आरती उतारी गई। प्रसाद भोग लगाया गया। भक्ति भाव से परिक्रमा भी की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ब्रजभूमि दास, उपाध्यक्ष व्रज जन रंजन दास, प्रिय गोविन्द दास, दामोदर बंधु दास एवं अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रदीप जैन आदित्य, महामंत्री विनोद अवस्थी और शोभा यात्रा मुख्य संयोजक पीयूष रावत ,रवीश त्रिपाठी लखनलाल गुप्ता, महेश सर्राफ (मटका) , मैथिली मुदगिल, गोकुल दुबे ,रोहित पांडे, मनीष तिवारी,सुबोध उदेनिया आदि उपस्थित रहे। सभी का आभार शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत ने किया।

झांसी में सहकार भारती के दो दिवसीय अधिवेशन का समापन

प्रमेन्द्र सिंह सरकार को पुनः सौंपी गई महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जनपद झांसी में सहकार भारती संगठन का दो दिवसीय अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन के दौरान संगठन के कार्यों की समीक्षा की गई तथा रोजगार सृजन, स्वावलंबन, संगठन को मजबूत बनाने और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में लखनऊ से आए महामंत्री अरविंद द्विवेदी, संदीप सरावगी (प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ), विभाग संयोजक सर्वेश पटेल, जिला महानगर अध्यक्ष संतोष खरेला एवं महानगर अध्यक्ष उदय सोनी सहित संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान प्रमेन्द्र सिंह सरकार को पुनः सहकार भारती के महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बताया गया कि प्रमेन्द्र सिंह सरकार विगत कई वर्षों से संगठन में जिला महानगर उपाध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक मनोज जी की उपस्थिति में प्रमेन्द्र सिंह सरकार का माला पहनाकर स्वागत किया तथा महानगर उपाध्यक्ष के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति की घोषणा की।

इस घोषणा का अधिवेशन में उपस्थित सैकड़ों सहकार भारती सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वागत किया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रमेन्द्र सिंह सरकार का अभिवादन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।अधिवेशन में सहकारिता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने, स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में दो दिवसीय अधिवेशन का हुआ समापन

सुरक्षा को दर किनार कर अवैध रूप से बने कबांड के गोदाम दुर्घटना का बन सकते है कारण

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई । नगर में अलग-अलग स्थानों पर कबाड़ के गोदाम बने हुए हैं। सुरक्षा को दर किनार कर अवैध रूप से बने कबांड के गोदाम दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। सुरक्षा उपायों के बगैर संचालित कबाड़ के गोदामों के बाद भी जिम्मेदार मूक दर्शक बने हैं।

नगर में कबाड़ के जगह जगह रिहायशी इलाकों में अवैध भंडार गृह बने हुए हैं। जिनमें कागज, गत्ता, प्लास्टिक व लोहा आदि का भंडारण हो रहा है। दीपावली का त्योहार नजदीक आ रहा है जब नगर में ग्रामीण से बड़ी मात्रा में कबाड़ आयेगा जिसका भंडारण किया जायेगा ।सुरक्षा इंतजाम न हो ने के कारण ये कभी अग्निकांड का कारण बन सकता है। कबाड़ के गोदामों में आग से बचाव के लिए कोई इंतजाम नहीं है। नगर में बंगरा मार्ग, औरइया मार्ग पर नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के पास, चुंगी नंबर 4 के पास, सहावनाका आदि रिहायशी स्थानों पर कबाड़ एकत्रित किया जा रहा है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर बने गोदामों के कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है। नगर की मध्यप्रदेश की सीमा से जुड़ा होने के कारण कबाड़ का गढ़ बन गया है। कबाड़ के गोदामों के आसपास रहने वाले लोगों को हमेशा गर्मी के मौसम व दीपावली के पूर्व आगजनी का डर लगा रहता है। पड़ोसी होने के कारण आसपास के लोग खुलकर सामने नहीं आ पाते हैं। वहीं अग्नि शमन विभाग को जानकारी होने के बाद भी जांच करने तक जहमत नहीं उठाते हैं। जब भी कोई व्यक्ति नाम छिपाकर जानकारी देता है तो विभागीय कर्मचारी लिखित शिकायत देने की बात कह कर टरका देते हैं ।अग्नि शमन विभाग की मिलीभगत व उदासीनता के कभी भी कोई हादसा हो सकता है। जब इस संदर्भ में फायर स्टेशन के कर्मचारी राजेश तिवारी ने बताया कि समय समय पर अधिकारियों द्वारा चेकिंग की जाती है।

झांसी मीडिया क्लब की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, नवंबर में चलेगा सदस्यता अभियान

-वरिष्ठ उपाध्यक्ष और महामंत्री पद पर निर्वाचन की तैयारी, 24 नवंबर की बैठक में घोषित होगी चुनाव की तिथि

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। पत्रकारिता की गरिमा, संगठनात्मक एकजुटता और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से रविवार को पत्रकार भवन में झांसी मीडिया क्लब की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान तथा संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता झांसी मीडिया क्लब के अध्यक्ष मुकेश वर्मा ने की।

बैठक में संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं महामंत्री के पद रिक्त होने के विषय पर चर्चा करते हुए दोनों पदों पर निर्वाचन कराने के लिए सहमति व्यक्त की गई। निर्णय लिया गया कि संगठन की सदस्यता प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए नवंबर माह में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 नवंबर से सदस्यता अभियान प्रारंभ होगा। 11 से 15 नवंबर तक सदस्यता फार्मों की जांच की जाएगी। 18 नवंबर को प्रारंभिक मतदाता सूची जारी की जाएगी, जबकि 19 नवंबर को सदस्यता एवं मतदाता सूची से संबंधित आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। 20 नवंबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। वहीं, 24 नवंबर को आयोजित होने वाली आगामी बैठक में निर्वाचन की तिथि घोषित की जाएगी। बैठक के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता और मार्गदर्शन को प्रोत्साहित करने की दिशा में वरिष्ठ पत्रकार जिलाध्यक्ष नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया सोनिया पांडे को सर्वसम्मति से संरक्षक मंडल में सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया। उपस्थित सदस्यों ने संगठन की एकता, पारस्परिक सहयोग और पत्रकारों के हितों से जुड़े विषयों पर सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में इस बात पर भी बल दिया गया कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके सदस्यों की एकजुटता, अनुशासन और परस्पर विश्वास में निहित होती है। इसी भावना के साथ झांसी मीडिया क्लब को अधिक सक्रिय, सशक्त और संगठित बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनी। बैठक में कुंदन सोलंकी, दीप चंद्र चौबे, दीपक चंदेल, पंकज भारती, राहुल कोस्टा, नईम खान, शक्ति सिंह, रवि शर्मा, प्रमेंद्र सिंह, दीपक त्रिपाठी, रामकिशन अकेला, रानू साहू, अतुल वर्मा, बृजेश साहू, दीपक चौहान, राजीव सक्सेना, महेंद्र साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सरकारी खाद केंद्रों पर डीएपी का स्टॉक न होने से किसान परेशान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। रबी की बुवाई की तैयारियों के बीच नगर के सरकारी खाद केंद्रों पर डीएपी का स्टॉक न होने से किसान परेशान हैं। खाद लेने के लिए किसान रोजाना केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। नगर के दोनों सरकारी केंद्रों पर खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों के सामने खेती की तैयारियों को समय से पूरा करने की चिंता सता रही है।नगर में किसानों को खाद उपलब्ध कराने के लिए बापू साहब स्थित क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड और मंडी परिसर स्थित पीसीएफ केंद्र संचालित हैं। इन दोनों केंद्रों से क्षेत्र के किसान खाद लेते हैं, लेकिन फिलहाल यहां खाद का स्टॉक नहीं है। किसान खाद मिलने की उम्मीद में केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। वहां उपलब्धता न होने की जानकारी मिलने पर उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। इससे किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। किसान सुनील कुमार, कौशल किशोर श्रीवास्तव का कहना है कि रबी की फसलों की तैयारी के दौरान खाद की जरूरत रहती है। ऐसे में सरकारी केंद्रों पर खाद नहीं मिलने से खेतों की तैयारी और बुवाई से जुड़े काम प्रभावित होने की आशंका है। क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड के अध्यक्ष राजा सिंह सेंगर ने बताया कि खाद की डिमांड भेजी गई थी, जल्द ही खाद आने की उम्मीद है। खाद उपलब्ध होते ही उसका वितरण शुरू करा दिया जाएगा।

सार्वजनिक कुएं पर अवैध कब्जा! शिकायतकर्ता को दी जानमाल की धमकी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन -उरई। कुएं पर अवैध रूप से किए गए कब्जे की शिकायत करने पर कब्जाधारक द्वारा धमकाने की शिकायत पीड़ित ग्रामीण ने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर की है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहाव निवासी रामकुमार ने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उनके गांव में स्थित पुरातन कुएं पर गांव के ही कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। कुएं में मिट्टी डालकर उसे बंद कर दिया था। पुरातन कुएं पर किए गए कब्जे की शिकायत उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में की थी। शिकायत करने से कब्जा धारक नाराज हो गए और अब वह उसे धमका रहे हैं। उसे मारपीट और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ग्रामीण ने एसपी से मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई है।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718